सिलाई-कटाई-शिक्षा



लेखिका—

श्रीमती शुभाषिनी देवी



प्राप्तिस्थान—

बम्बई बुक डिपो

१९५।१, हरिसन रोड,

कलकत्ता

चतुर्थ संस्करण] १९४७ ई० [मूल्य २)

प्रकाशक—
कल्याणदास एण्ड ब्रादर्स
बड़े महाराज का मन्दिर,
बनारस सिटी।

हमारा प्रकाशन

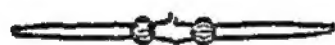
वेश्याकी लड़की	३)
त्यागी युवक	३॥)
कामिनी की कहानी	१॥)
शंख-ध्वनि	३॥)
जीवन नैया	३॥)
वेदना	३॥)
आदमी	३)
घर और बाहर	२॥)
हिन्दी बंगला शिक्षा	॥)

प्राप्तिस्थान—
बम्बई बुक डिपो
१६५।१ हरिसन रोड
कलकत्ता।

मुद्रक—
रुलियाराम गुप्त
दि बङ्गाल प्रिंटिंग वर्क्स,
१, सिनागोग स्ट्रीट
कलकत्ता।

विषय-सूची

सिलाई कटाई शिक्षा



नाप शिक्षा (measurement)

— * —

पोशाक तैयारी करनेकी शिक्षा प्राप्त करनेमें कटिंग और सिलाई (Cutting and Tailoring) यही दो विद्या अच्छी तरह जानना होगा। इन दोनों को एक साथ न सीखने पर अच्छा दर्जीका काम नहीं कर सकता। कटिंग शिक्षा आरम्भ करनेके समय पहले नाप लेकर तब सीखोगे। नाप किस तरहसे लिया जायगा और कौन नाप शरीरमे किस जगह से किस जगह तक लेना होग, उसे नीचे लिखते हैं उसे अच्छी तरह सीख लो।

मान लो तुम्हें कोई एक लडकेके शीरीरसे नाप लेकर सीपना होगा। सबसे पहले लडकेका पीछा भागमे फीता लेकर शरीरको देखकर नाप लेना आरम्भ करो। अब देखो कि लडका ठीक सीधा खडा है कि नहीं। अब जिस तरह नाप लिया जाता है नीचे लिखती हू।

सेस्त— गलाके ठीक पीछा भागमें जिस स्थानसे पीठका रीढ आरम्भ हुआ है उसी स्थानसे टेप (फीता) लेकर उसके छोरको दबाकर धरकर जिस स्थान तक कपडा पहनता है अर्थात् कमर तक नाप लेकर देखो कितना लम्बा हुआ। जितना इञ्च लम्बा हुआ वही सेस्त हुआ या (Natural waist) कहते हैं।

लम्बा—ठीककंधाके ऊपरसे फीता लेकर लम्बा (Length जितना नीचे तक चाहेगा उतना तक नाप लो।

पुट— जिस जगहसे सेस्तके नाप लेनेके लिये आरम्भ किया था ठीक उसी जगहसे और जहांसे हाथका बाँह शुरू हुआ है उस जगह तक जितना होता है वही पुट (Put) का नाप हुआ।

पुट आस्तीन— जिस जगहसे पुट नापा है ठीक उसी जगह से लेकर जहाँ तक हाथका गट्टा है उतना तक नाप लेकर देखो कि कितना इञ्च लम्बा हुआ जितना इञ्च होगा वही हुआ पुट आस्तीन का नाप। जिसको (Sleeve) कहते हैं

सीना— अब लडकेके सामनेमे आकर उसके ठीक बगलसे नीचे छाती और पीठमें घुमाकर नापनेसे जितना लम्बा होगा वही सीना (Chest) का नाप हुआ।

कमर— सीनाके ऐसा कमरमे भी चारो तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा वही कमर (Waist) का नाप हुआ।

पीछा—अभी जिसको हम लोग पीछा कहते हैं ठीक उसके चारों तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा वही पीछा या (Seat) का नाप हुआ।

गला— गलामे घुमाकर नाप लेने से जितना इञ्च होगा वही गला या (Neck) का नाप हुआ।

मोहरी—हाथके गट्टामे चारों तरफ नापनेसे जितना होता है वही मोहरी या (Wrist) का नाप हुआ।

पँटका लम्बा—सामनेमें जिस जगहसे कपडा पहना जाता है उसी जगहसे फीता रखकर पैरकी एडी तक जितना लम्बा होगा उसीको पँटकी लम्बाईका नाप कहते हैं। जिसको (Side length) भी कहते हैं।

सेकम—जिस जगह हमलोग कोंचा धोतीका उल्टा कर पहनते हैं उस जगहसे पैरकी एडी तक जितना नापनेसे होता है उसी को सेकम या (Leg length) कहते हैं।

घुटना—पँटके घुटनाका नाप लेनेके समय उसके चारों

मान लो तुम्हें कोई एक लडकेके शीरीरसे नाप लेकर सीलना होगा। सबसे पहले लडकेका पीछा भागमें फीता लेकर शरीरको देखकर नाप लेना आरम्भ करो। अब देखो कि लडका ठीक सीधा खडा है कि नहीं। अब जिस तरह नाप लिया जाता है नीचे लिखती हू।

सेस्त— गलाके ठीक पीछा भागमे जिस स्थानसे पीठका रीढ आरम्भ हुआ है उसी स्थानसे टेप (फीता) लेकर उसके छोरको दबाकर धरकर जिस स्थान तक कपडा पहनता है अर्थात् कमर तक नाप लेकर देखो कितना लम्बा हुआ। जितना इश्च लम्बा हुआ वही सेस्त हुआ या (Natural waist) कहते हैं।

लम्बा—ठीककंधाके ऊपरसे फीता लेकर लम्बा (Length जितना नीचे तक चाहेगा उतना तक नाप लो।

पुट— जिस जगहसे सेस्तके नाप लेनेके लिये आरम्भ किया था ठीक उसी जगहसे और जहासे हाथका बाँह शुरू हुआ है उस जगह तक जितना होता है वही पुट (Put) का नाप हुआ।

पुट आस्तीन— जिस जगहसे पुट नापा है ठीक उसी जगह से लेकर जहां तक हाथका गट्टा है उतना तक नाप लेकर देखो कि कितना इश्च लम्बा हुआ जितना इश्च होगा वही हुआ पुट आस्तीन का नाप। जिसको (Sleeve) कहते है

सीना— अब लडकेके सामनेमे आकर उसके ठीक बगलसे नीचे छाती और पीठमे घुमाकर नापनेसे जितना लम्बा होगा वही सीना (Chest) का नाप हुआ ।

कमर— सीनाके ऐसा कमरमें भी चारों तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा वही कमर (Waist) का नाप हुआ ।

पीछा— अभी जिसको हम लोग पीछा कहते हैं ठीक उसके चारों तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा वही पीछा या (Seat) का नाप हुआ ।

गला— गलामे घुमाकर नाप लेने से जितना इञ्च होगा वही गला या (Neck) का नाप हुआ ।

मोहरी— हाथके गट्टामे चारों तरफ नापनेसे जितना होता है वही मोहरी या (Wrist) का नाप हुआ ।

पेंटका लम्बा— सामनेमें जिस जगहसे कपडा पहना जाता है उसी जगहसे फीता रखकर पैरकी एडी तक जितना लम्बा होगा उसीको पेंटकी लम्बाईका नाप कहते हैं। जिसको (Side length) भी कहते हैं ।

सेकम— जिस जगह हमलोग कोंचा धोतीका उल्टा कर पहनते हैं उस जगहसे पैरकी एडी तक जितना नापनेसे होता है उसी को सेकम या (Leg length) कहते हैं ।

घुटना— पेंटके घुटनाका नाप लेनेके समय उसके चारों

तरफ फीता इस तरह ढीला करके नापना चाहिये कि उसमे ६ अंगुल घुस सके।

मोहरी— एडीके नापसे पैंटका मोहरी (Bottom) का नाप ३ या २ इञ्च कम करके लेना होगा और अधिक कोई चीज नापनेकी जरूरत नहीं है।

नाप लेनेके समय खूब अच्छी तरह देख लेना होगा कि कहीं पर कोई भूल न हो। गलाका नाप लेनेके समय भीतरमे एक अंगुल रखकर नापना चाहिए। जिस समय सीना कमर या पीछाका नाप लोगे उस समय भीतरमें चार अंगुल रखकर नाप लोगे। यही नाप लेने ही के ऊपर कपडेका अच्छा या खराब होना निर्भर रहता है। सभी नापमे कुछ ढीला करके लेना होता है। ख्याल रहे कि अधिक कसा हुआ नहीं होना चाहिये।

कटिंग सीखनेकी जरूरी सामग्री

कटिंग सीखनेके समय पौने दो प्रमाणका काला गरम या काला खद्दरका कपडा लो। इसी कपडेके ऊपर दर्जीके चाकसे ड्राइङ्ग करके कटिंग सीखना होगा। एक दर्जीको स्केल १, फीता १, अच्छी कैंची, नम्बरो सूई और सूता इन्हीं, सब चीजोंकी दर-कार है। पहले सब चीज अर्थात् कमीज, कोट, कुर्त्ता, फतुहा यानी सभी चीज़ इसी कपडोके ऊपर ड्राइङ्ग करके सीखना होगा। जब ड्राइङ्गमे हाथ पका हो जायगा तब कागजको काटना होगा। कागज ठीक तरहसे काट लेने पर कपडा काटोगे।

इस काममे सिलाईके ऊपर अधिक नज़र रखना होगा। सिलाई में यदि हाथ खूब नहीं वैठेगा तो कपडा खराब हो जायगा। काज घर तैयारी करने के लिये खूब अच्छी तरह सीख लेना होगा। दर्जीके काममें पहले अच्छा और खराब काज बनाने ही मे पहचाना जाता है। दर्जीके कामके व्यवहार मे कितने नाम हैं उन नामोको न जानने से किताव पढने मे असुविधा होगी। इसीलिये सबसे पहले उन सब शब्दों को नीचे बतलाती हूं।

मोढ़ा—कपडे मे जिस जगह दोनों आस्तीन या बांही सिलाई किया जाता है उन दोनो जगह के मुँह को मोढा कहते हैं। जिसको (Soye depth) बोलते हैं।

आस्तीन—दोनों बांहके कपडोंको आस्तीन (Sleeve) कहते हैं।

प्लेट—कमीज या कुर्त्तामे सीना के सामने के ऊपर से जो भांज करके कपडा सिलाई किया जाता है जिसमें बटन का घर बनता है उसी को प्लेट (Pleat) कहते हैं।

गज—टेप फीतामे ३६ इञ्चका एक गज, दो हाथ का एक गज १६ गिरह का एक गज और २¼ इञ्चका एक गिरह होता है।

मोहरी— हाथके गट्टामे जिस जगह कपडे के आस्तीन का मुँह रहता है और पैन्ट के पैरके नीचे जिस जगह पैन्ट का मुँह रहता है उसी को मोहरी (Bottom) कहते हैं।

तरफ फीता इस तरह ढीला करके नापना चाहिये कि उसमे ६ अंगुल घुस सके।

मोहरी— एडीके नापसे पैंटका मोहरी (Bottom) का नाप ३ या २ इञ्च कम करके लेना होगा और अधिक कोई चीज नापनेकी जरूरत नहीं है।

नाप लेनेके समय खूब अच्छी तरह देख लेना होगा कि कहीं पर कोई भूल न हो। गलाका नाप लेनेके समय भीतरमें एक अंगुल रखकर नापना चाहिए। जिस समय सीना कमर या पीछाका नाप लोगे उस समय भीतरमें चार अंगुल रखकर नाप लोगे। यही नाप लेने ही के ऊपर कपडेका अच्छा या खराब होना निर्भर रहता है। सभी नापमे कुछ ढीला करके लेना होता है। ख्याल रहे कि अधिक कसा हुआ नहीं होना चाहिये।

कटिंग सीखनेको जरूरी सामग्री

कटिंग सीखनेके समय पौने दो प्रमाणका काला गरम या काला खद्दरका कपडा लो। इसी कपडेके ऊपर दर्जीके चाकसे ड्राइङ्ग करके कटिंग सीखना होगा। एक दर्जीको स्केल १, फीता १, अच्छी कैंची, नम्बरी सूई और सूता इन्हीं, सब चीजोंकी दरकार है। पहले सब चीज अर्थात् कमीज, कोट, कुर्त्ता, फतुहा यानी सभी चीज़ इसी कपडोंके ऊपर ड्राइङ्ग करके सीखना होगा। जब ड्राइङ्गमे हाथ पक्का हो जायगा तब कागजको काटना होगा। कागज ठीक तरहसे काट लेने पर कपडा काटोगे।

इस काममें सिलाईके ऊपर अधिक नज़र रखना होगा। सिलाई में यदि हाथ खूब नहीं बैठेगा तो कपडा खराब हो जायगा। काज घर तैयारी करने के लिये खूब अच्छी तरह सीख लेना होगा। दर्जीके काममें पहले अच्छा और खराब काज बनाने ही में पहचाना जाता है। दर्जीके कामके व्यवहार में कितने नाम हैं उन नामोंको न जानने से किताब पढने में असुविधा होगी। इसीलिये सबसे पहले उन सब शब्दों को नीचे बतलाती हू।

मोढ़ा—कपडे में जिस जगह दोनों आस्तीन या बोंही सिलाई किया जाता है उन दोनों जगह के मुँह को मोढा कहते हैं। जिसको (Soye depth) बोलते हैं।

आस्तीन—दोनों बाँहके कपडोंको आस्तीन (Sleeve) कहते हैं।

प्लेट—कमीज या कुर्त्तामें सीना के सामने के ऊपर से जो भांज करके कपडा सिलाई किया जाता है जिसमें बटन का घर बनता है उसी को प्लेट (Pleat) कहते हैं।

गज—टेप फीतामें ३६ इन्चका एक गज, दो हाथ का एक गज १६ गिरह का एक गज और २½ इन्चका एक गिरह होता है।

मोहरी—हाथके गट्टामें जिस जगह कपडे के आस्तीन का मुँह रहता है और पैन्ट के पैरके नीचे जिस जगह पैन्ट का मुँह रहता है उसी को मोहरी (Bottom) कहते हैं।

सामना— कपडा के सामने भाग को (Front) सामना कहते हैं।

पीछा—कपड़े के पीछे के भाग को पीछा (Back) कहते हैं।

दामन—कपड़े के नीचे के भागको दामन (Down) कहते हैं।

बगल— कपडे के दोनों बगल के जोडको बगल (Side) कहते हैं।

दराज— बीच या पीठ की तरफ की सिलाई को दराज (Seam) कहते हैं।

पीठका दराज—कोट या इसी तरह के और कोई कपडे के पीछा के बीच की सिलाई के स्थान को पीठका दराज कहते हैं।

बगलका दराज—उस तरह कपडे के बीच की सिलाई को बगल की सिलाई कहते हैं।

लव—कपडे के आखिर या किनारे को लव कहते हैं।

तीरा—कमीज का सामना और पीछा जिस पट्टी से जोडा जाता है उसी को तीरा कहते हैं।

टेकिन—(To be takin in) या पैंटके जिस स्थान मे सिलाई करके भीतर रखना होता है उसी को टेकिन कहते हैं।

पट्टी—जो कपडा अलग से लगाया जाता है जिसमे काजघर रहता है उसी को पट्टी या पलाई कहते हैं।

स्ट्राप—बांधने वाला (Strap) जिसके साथ बकलेस लगा रहता है।

जेब—पाकिटको (Pocket) कहते हैं।

ताज—जो पाकीटको ऊपरसे ढका रहता है। (Flap)

बकरम—जो दो कपडोंके भीतर दिया जाता है। जो कोटमे जालीके ऐसा कपडा दिया जाता है जिससे मजबूत और टाइट बना हुआ रहता है।

मैपूल—जो कोटके सामने भागके भीतरमे उसी कपडेका जोडा जाता है।

सेकम—पैंटके पीछाके नीचेके स्थानसे पैरके तलवा तकके स्थान को।

म्यान—पैंटके पीछाके बीचके हिस्सामें जो दो जोडा हुआ सिलाई रहता है उस स्थानको।

सीस्ती—पैंटके कमरके साथ जो टुकड़ा कपडा सिलाई किया रहता है।

गोल्डिंग—पैंटके पैरके तरफ जो कपडा उल्टाया हुआ रहता है।

सलग—बिना जोडका जो एक ही कपडा होता है।

लपेट—नापसे जितना अधिक कपडा लिया जाता है।

दवाट—चिह्नसे बाहरमे जो अधिक कपडा रहता है।

स्टफ—सादा सीधा फीता जो कोटके भीतरमे लगाया,

है। इससे लवपर अधिक कडा रहता है जो खीचनेपर बढत नहीं।

हिप पाकीट—पीछे चूतरके ऊपर जो पाकीट रहता है।

हाई—(High) पैंटके पीछाका लाइन या सीटके लाइनके ऊपरका हिस्सा। इसी रेखाके नीचेका हिस्सा सकम (Leg length) हुआ।

कुर्त्ता (पंजाबी)

जिस समय किसीका कुर्त्ता काटना होगा उसके पहले उसके शरीरका नाप ले लेना होगा। ख्याल रक्खो कि कुर्त्तामें किस-किस चीजका नाप लेना होता है। नाप—ल० ३२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १४, मोहरी २४। सभी नाप इं०से लोगे

अभी इसी नापसे कितने कपड़ेकी जरूरत पडेगी उसका हिसाब करके लेना होगा। हिसाबसे कपडा ठीक होना चाहिये। अगर खरीदारके सामने हिसाबसे कम कपडा लोगे तब अपने पाससे खरीदकर कपडा लगाना पडेगा।

लम्बाईका नाप जितना है उसका दूना कपडा लो। उसके बाद पु० अ० के नापसे घटाकर जितना होगा उतना दो आस्तीनके लिये जोडकर कपडा लो। अब पाकीट वगैरहके लिए और ४ गिरह कपडा लो। अभी देखना होगा कि कपडेका साधारण हिसाब २ लम्बा १ आस्तीन और ४ गिरह अधिक।

लेकिन सब समय एक ही नियम से नहीं चलेगा। कारण शरीर के मोटा पतला के ऊपर भी ध्यान देना होगा।

हमने जिस नापको लिया है उसका लम्बा है ३२ इञ्च अभी कपडा होगा ३२ का डबल ६४ इञ्च अर्थात् २८ गिरह वा १ गज १२ गिरह। इसके साथ जोडना होगा पु० अ० ३० से पु० ८ बाद करके हुआ २२ इञ्च या ११ गिरह। अब १ गज १२ गिरह और ११ गिरह सब हुआ २ गज ७ गिरह और ४ गिरह बराबर हुआ सब २ गज ११ गिरह आस्तीन लेकर अभी कपडा हुआ २ गज ११ गिरह। अभी इसी कपडा से लम्बा में १ गिरह अधिक कपडा लेकर काटना होगा। १ गिरह। अधिक कपडा लेने का यही कारण है कि ऊपर और नीचे मोडकर भाज करके सीना होगा अगर अधिक कपडा नहीं लिया जायगा तो ठीक नाप का तैयारी नहीं होगा।

यदि किसी का शरीर कुछ अधिक मोटा हो और सीना का नाप ३६ से अधिक हो तब लम्बा २ आस्तीन २ और इस जगह ४ गिरह अधिक कपडा नहीं लेना होगा। अभी इसके लम्बा में डबल कपडा से किस तरह सामना और पीछा भाग काटना होगा देखो। अभी इस कपडा को कितना चौडा रखना होगा उसका हिसाब देखो। सीना का नाप ३६ से और ४ इ० बाद देकर जो हिस्सा बचेगा (३२ इ०) उसके बराबर कपडा चौडा करके रखना होगा। लेकिन देखो कुर्त्ता के नीचे का घेरा सीना के बराबर नहीं रहेगा। वह चार इञ्च बाद नहीं होगा घेरा मे।

अभी इस कपडा को ३२ इञ्च चौडा करके उसके बाद चौडा को आधा भांज करके लम्बा के बराबर तक भांज कर दो। अब

यह भाज किया हुआ कपड़ा चार भाग हुआ कि नहीं गिनकर देखो। अब इस कपड़े को अच्छी तरह बिछा लो जिसमे किनारा तक कोई छोटा बड़ा नहीं हो।

अब इस जगह कपड़ा के ऊपर चाकसे कुर्त्ता का ड्राइंग किस तरह करके काटोगे लिखते हैं। ड्राइंग करने के सबसे पहले देखना चाहिये कि मोढा कितना चौडा रहेगा। हर समय मोडा सीना का ¼ रखना होगा। इस जगह हमारा नाप लिया गया है उसका सीना का नाप हुआ ३६ इश्च। इसका ¼ हुआ ६ इश्च मोढ़ा का नाप।

ख्याल करो भाज किया पीछा का कपडा हुआ ०, १८, ३६, १। ० से ३६ हुआ लम्बाई के नापसे १ इं० अधिक ०, १८ और ३६, १ हुआ चौडा ३२ इश्च का आधा १६ इं०। चित्र को अच्छी तरह देखो।

० से ६ हुआ मोढा का नाप सीना का ¼ या ६ इश्च। यही मोढा गला से बगल के नीचे भाग तक। यह रेखा सीना के नापके बराबर होगी। ध्यान से देखो ठीक बगल के नीचे सीना का नाप लिया है। ११ बिन्दू ठीक बगल के नीचे।

०से २½ इं० दूरी पर। यह गला का ¼ और १ इं० कम। यहा पर गला का नाप १४ इं० है इसका ¼ हुआ ३½ इ० और १ इं० कम २½ इं०।

० और ६ से पुटका नाप ८ इं० और ½ इं० ८½ इं० दूर परी ८½ रखकर चित्र के ऐसी एक सीधी रेखा जोड़ दो। हर समय

चित्रको देख कर काम करना चाहिये। ६ से सीनाका १/४, ९ इञ्च और २ इञ्च अधिक ११ इञ्च दूर पर ११ रक्खो। इस जगह समझ लो कि सीना १/४ और २ इंच क्यों अधिक रक्खा गया। उसका कारण यही है कि यदि ठीक सीना १/४ रहेगा तो शरीरमे एकदम कसा होगा। किन्तु कुर्त्ता शरीरमे ढीला रखनेके लिये मोट ८ इंच अधिक लिया गया। सिलाई करने पर १ इंच कम होनेसे ७ इंच रहेगा।

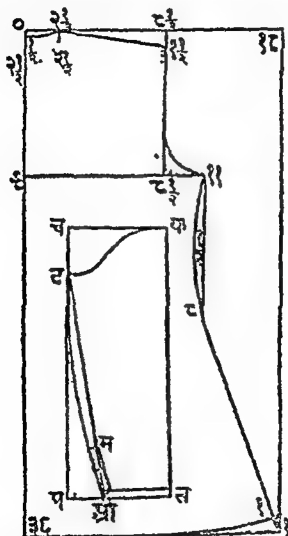
ऊपरसे ८१/२ से १ १/२ इंच नीचे ११/२ रखकर २१/२ और ११/२ ठीक चित्रके ऐसा नीचे करके जोड दो। यह स्थान हुआ गलासे कंधा जो नीचे हट कर आया है वही जगह।

उसके बाद ११/२ और ११ ठीक चित्रके ऐसा जोड दोगे। उसके बाद ११ से ८ इंच नीचे ११ और ८ एक सीधी रेखा खींचो।

अब ८ और ११ इसके बीचमे भीतरकी तरफ, आधा इंच दूर-पर १/२ एक दाग देकर ११ और वही १/२ दाग और ८ ठीक चित्र के ऐसा कुछ टेढा करके जोड दो। उसके बाद ८ और १ ठीक एक सीधी रेखा जोड दोगे। तब कुर्त्ताका सामना और पीछा भाग तैयार हो जायगा।

०से १/२ ठीक आध इंच नीचे रख कर चित्रके ऐसा जोड दो। ० से २१/२, २१/२ जो गोल रेखा खींचा गया है गलाका जगह। १ से एक इंच ऊपरमे एक बिन्दु रख कर ३६ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो। ऐसा करनेसे कुर्त्ते का दोनों कोना (छोर) नीचे लटकेगा नहीं। अब एक कैंची लेकर १/२ से २१/२, २१/२ से ११/२ रेखाके

ऊपरसे ११, ½, १ रेखा काट लो। उसके बाद ३६ और १ रेखाके ऊपरसे काट लो। उसके बाद सामना और पीछा भाग काटना



चित्र नं० १

होगा। उसके बाद सामना और पीछा भाग अलग करके उसके सामने भागमें २½, २½ और २½ जो बिन्दी रेखा खींचा

हुआ है ठीक उसके ऊपरसे होकर काट दो। उसके बाद १ $\frac{1}{2}$ और ११ को ठीक उसी तरह बिन्दी बिन्दी रेखा खींचा है उस को भी काट लो। इसको काटनेका यही मतलब है कि मनुष्यके सामने भागसे पीछेका भाग कुछ अधिक चौडा रहता है। सामने के बगलके निकट की जगह पीछे से कुछ कम चौडा के वजह से थोडा-सा काट दिया जाता है। नहीं तो बगलके निकटका कपड़ा भाज हो जायगा।

इसी के साथ २$\frac{1}{2}$ से १२ इं० नीचे तक सीधा सामना भाग मे खुला रहनेके लिये जगह काट दो। इसी जगहमे काज पट्टी या बटन पट्टी लगाया जायगा।

सामने और पीछे भागको अलग करके खोल कर क्या देखोगे? देखोगे चित्रके ऐसा दो टुकडा कपडा। एक सामना और एक पीछा। अब इन दोनों भागों को किस तरह जोड कर सिलाई करोगे, लिखते हैं। उसके बाद आस्तीन काट कर जोडना होगा।

सामने का भाग पीछे भागके साथ जोडनेके समय सामना भाग पीछा भागके ऊपर इस प्रकार रक्खो ताकि सामने भागका क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, बिन्दू पीछे भागके ठीक २$\frac{1}{2}$, १$\frac{1}{2}$, ११, ८, ६, २ और १८ बिन्दूके साथ मिल जाय। उसके बाद सामने भागके ऊपर के बगलके ट, ध, झ, ज बिन्दु और पीछे भागके नीचे बगलके १, २, ३ और ६ बिन्दूके साथ मिल जाय।

ख्याल रखो कि जिस तरह सामने और पीछे भाग का कपडा एक के ऊपर दूसरा रखा गया है, उसी तरह घेरा

के ऊपरका पीछा भागके १½ और २⅓, सामना भागके क, ख, रेखाके साथ और पीछेके १, २, रेखा सामनेके ट, ञ, रेखाके साथ सिलाई करोगे। उसके बाद ११ से ६ इं० परिमाण ८ तक सिलाई करके और , इं० परिमाण ८ से ६ हिस्साको पाकीटके मुँहके ऐसा खुला रक्खो। ६ से २ या २½ इं० एक साथ सिलाई करके बाकी सब खुला रख कर उस खुले हुयेको फिर मोड़कर भाज करके सिलाई कर दोगे। इसका नीचेका बगल भी ठीक इसी तरह सिलाई करना होगा।

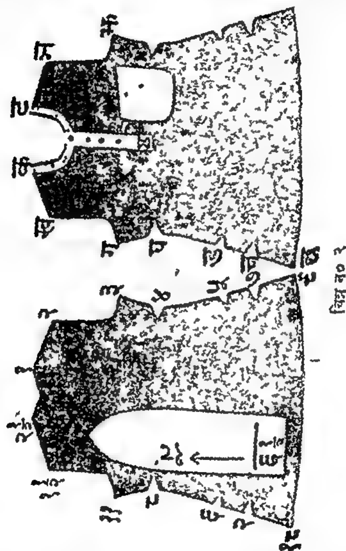
सामना और पीछाके साथ कंधा और बगल सिलाई कर दो। पीछा भागके १½, ११, और २, ३ और सामना भागके ख, ग, और ञ, झ इन दोनों का मुह खुला रक्खो। इन्ही दोनों स्थानको मोढ़ा कहते हैं और उसके साथ आस्तीन जोडा जाता है।

सामने के भागसे गला काट कर छातीके ऊपरके सामने जो १२ इं० खुला रक्खा हुआ है उसके एकमें बटनका घर सिलाई करना होगा और ऊपरमें बटन पट्टी सिलाई करना होगा। बटन पट्टी बटन घरके नीचे रहेगा। इसी तरह देख कर सिलाई करना होग

दोनों तरफ पाकीटके ऐसा जो मुंह खुला हुआ है उसी खुला हुआ मुँहके भीतर से बगलका पाकीट लगाना होगा। बगलका पाकीट लम्बा १८ इं॰ और चौडा ६½ इं० रखना होगा। उस समय एक तैयारी कुर्त्ते को देख लेना अच्छा होगा।

उसके बाद बुक (सामने) पाकीट लगाओ। बुक पाकीट लम्बा ७ इ चौडा नीचेमे ६½ इं० और ऊपरमे ६ इं० रक्खो।

गलाके बिन्दीसे ६ इं० नीचे कुछ टेढा करके पाकीट लगाओ। बटन पट्टीके नजदीकके पाकीटके मुँहसे उस तरफका मुंह आधा इं०



चित्र नं० २

ऊपर रहेगा। चित्रमे देखो। अब गलाका नाप जो १४ इं० है उससे १ इं० बड़ा और ½ इं० चौडा कपडेको काट कर गलामे एक

ट्री सिलाई कर दो। इस तरह गला तैयार हो गया। अब आस्तीन काट कर किस तरह सिलाई करोगे सो लिखते हैं।

मोढा जितना चौडा रक्खा गया है। आस्तीनका कपडा ठीक उसका दूना चौडा रखोगे। आस्तीनके ऐसा जिस तरह कपडा रहता है उससे पु० अ० ३० से पु० ८ इं० घटाकर २२ इं० और १ इं० २३ इं० लम्बा कपडा काट लो। उसका चौडा होगा मोढाका दूना १८ इं० आस्तीनमे देखो, आस्तीनके लिये दो टुकडा कपडा १८ इं० चौडा या १ टुकडा ३६ इं० चौडा कपडा चाहिये। अब इस कपड़ेकी चौडाईको चार भाज करके बिछालो।

हमारा मोढाका नाप ६ इं० चौडा रखा गया है। आस्तीन १८ इं० चौडा किस तरह रक्खा जायगा क्या बतला सकते हो? एक वार कपडेका मोढा पकड कर देखो अभी मोढाके नापके बराबर करके कपडेको दूना करदो उसके बाद दूसरे कपडेको भी उसी तरह बना लो। तब देखो सा... भाग मि... गया या उसका डवल हो गया। ... स्तीनकी चौड...

(दूनी) रखा

मोढाके ... च, त, प

र ... १८ इं०

बिछा ... । क से

करके

द

त से मोहरीका नाप ७ इं० का आधा ३½ इ० और ½ इ० अधिक सब चार इंच दूरपर 'उ' रक्खो। उसके बाद ८ और उ एक सीधी रेखा जोड करके उसके ठीक बीचसे आधा इं० दूर बाहरमें एक विन्दी रखकर ८ और "उ" जोड दो। इसी तरह चूडी दार कुर्त्ताका आस्तीन तैयार होगा। चूडीदारके आस्तीन मे जिस तरह सीधा फीता लगाया हुआ है ठीक उसी तरह फीता लेकर सिलाई कर दो। ट से म तक सिलाई करके उसे म तक खुला रक्खोगे। दोनों मुँह मे एकमे बटन लगाओ और ऊपर मे काज का घर बनाओगे। पहले चूडीदार कुर्त्तामे तीन बटन लगाया जाता था लेकिन आज कल दो लगाया जाता है। यदि ढीला आस्तीनका पंजाबी कुर्त्ता होगा तब ट से प तक सिलाई करके त, प को मोड कर भांज करके सिलाई करना होगा। आस्तीन तैयार हो जाने पर अब कुर्त्ताके मोढाके साथ आस्तीन को सिलाई कर दो। मोढाके अ बिन्दूके ऊपर आस्तीन का क विन्दू और भ विन्दूके ऊपर ट विन्दू रखकर सिलाई कर दो। आस्तीन सिलाई कर लेने पर कुर्त्ताका सिलाई हो गया।

कभी-कभी किसीका सीना और कमरका नाप बराबर रहता है यदि इस तरहके आदमीका कुर्त्ता काटना हो तो उस समय ११ और ८ रेखा सीधा काटकर ९ तक नीचेमें काट लेना। ११, ३ और रेखाको खींचकर भीतरमें जो टेढा शेष दिखलाई देता है, सिर्फ उसी स्थानको ११ और ८ सीधा रेखाके ऊपरसे काटकर रखना होगा क्योंकि इसी तरह आदमीके सीना और कमरका ठीक सीधा लाइन देखा जाता है।

कलीदार कुर्त्ता

साधारण कुर्त्ताके ऐसा इसका भी नाप लेना होता है। कपडा पहलेही के नियमके ऐसा लेना होगा। इसके काटनेमे उतनी कठिनाई नहीं है। परन्तु सिलाई करना इसका कुछ कठिन है। इस कुर्त्तामे साधारणत. ४ कली रहती हैं। कभी-कभी आठ कलीका भी होता है। कलीदार कुर्त्ता पतला और मुलायम कपडे का अच्छा होता है। इसके लिये मोटा और कडा कपडा उतना अच्छा नहीं होता है। इसकी लम्बाई अधिक बडी होती है।

नाप—लम्बा ३६, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १८, मोहरी १८।

मान लो कि हिसावसे कपडा ले लिया गया है। अब सामना और पीछा भाग काटना होगा।

कुर्त्ता काटनेके समय सीनाके नापके बराबर इसका घेरा चौडा लिया जाता है। इसमे जितना सीनाका नाप है उतना ही इसका घेरा लोगे। इसी चौडाइमे कली जोडना होगा।

पहले पुटके नापसे डबल और १ इं० अधिक चौडा रखकर लम्बाका डबल और २ इं० अधिक कपडा लोगे। इस जगह पुटका नाप ८ इं० अब कपडा चौडा होगा, ८ का डबल १६ इं० और १ इं० अधिक १७ इ० चौडा या लम्बाईका डबल।

अब इस कपडेको जिसकी चौडाईका आधा भाज कर लो। यह भाज ठीक कुर्त्ताके ऐसा होगा। कलीदार कुर्त्तामे पहलेके

कुर्त्ताके ऐसा कंधा सिलाई नहीं होगा। इस जगहमे एक कपडे को रक्खोगे। चित्र देखनेसे यह सब बात अच्छी तरह समझ जाओगे।

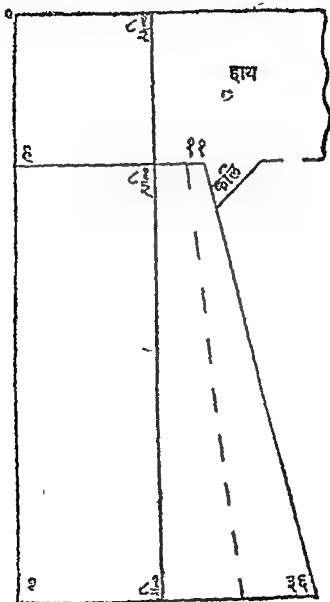
० से १ लम्बाका नाप ३६ से १ इ० अधिक।

० से ८½ और १ से ८½ पुटका नाप ८ उसका डबल १६ इं० और १ इं० सब १७ इं० का आधा।

० से मोढा सीनाका ¼, ९ इं०। सामने और पीछेका कपडा हो गया। अब इसके बीचके घेराका सीनाके बराबर कपडा रखना होगा। अब देखो इसके साथ १७ इं० चौडा कपडाके साथ और २० इं० चौडा कपडा जुटने पर तब वह सीनाके नापके समान होगा। इसमे १ इञ्च अधिक रखना होगा। क्योंकि कलीके साथ जोडनेमे कपड़ेकी जरूरत पडती है। यह एक इं० सिलाई करनेमे कम जाने पर तब सीनाके नापके बराबर ३६ इंच होगा।

अभी यह इसके नापके बराबर हुआ उसके साथ ८½, ११, और ८½, ३६ इसी नापका चार टुकडा कपडा अलगसे जोड देना होगा। इसीको कली कहते हैं। ९ स ११ होगा सीनाका नाप ३६ इञ्च का ¼, ९ इ० और २ इञ्च अधिक ११ इं०। अब देखा जाता है ८½ से ११ यही भाग सिर्फ ८½ से ११ जितना ई० है ठीक उतना ही अधिक अर्थात् २½ इं०। उसके बाद देखा जाता है ८½ से ३६ ९½ इञ्च चौडा। क्योकि कुर्त्तामे देखा गया है उसका घेरा जितना चौडा है उसका आधा कपडा भाज करके होता है। इस जगह १ से ३६ हुआ ३६ का आधा १८ इञ्च। उसी १८ से ८½ बाद हो जाने

पर बाकी रहा ६½ इञ्च। इसी तरहका टुकडा कपडाके सामनेमे दो और कपडाके पीछेमे २ टुकडा जोड देना होगा।



चित्र न० ३

सामने और पीछे भागका काटना तो हो गया, अब पहलेके कुर्त्तेके ऐसा इसका भी आस्तीनका नाप लो। उसको पहले ही ऐसा मोढाका डवल कपडा रखना होगा। चित्रमे देखलो जो कुछ कहा जाता है उसे अच्छी तरहसे समझ जाओगे। आस्तीन या आस्तीनके नीचेकी सिलाई ठीक ८½ और ११ के साथ घर कर करना होगा। इसका बगल ठीक साधारण कुर्त्तेके ऐसा जोडकर सिलाई करना होगा। इसीमे साइड या बगलका पोकेट होगा। आस्तीनसे ११ जिस जगह तक मिला है वही हुआ गलाकी जगह। इसी जगह जो कली कह कर त्रिभुजके ऐसा त्रिकोण कपडा है उसी तरह ठीक एक कपडा तैयार करके दो टुकडेको दोनो बगलमे सिलाई कर दो।

साधारण कुर्त्तेके ऐसा इसके सामना भागसे गला काटकर घटनके लिये १२ इञ्च खुला रक्खोगे। उसके वाद उसमें वटन पट्टी और काजघर पट्टी लगादो। चार कलीका वर्णन किये हैं। अब आठ कली होगा तब दो कलीके आधाके जगहको काटकर आठ कली कर देना होगा। चित्र देखो विन्दु-विन्दु के ऐसा रेखा खींच कर कलीका भाग बनाया हुआ है।

फतुहा

फतुहा काटनेके पहले नाप ले लेना चाहिये।

नाप—सेस्त १६, लम्बा २६, पुट ८, पु० अ० २०, सीना ३६, कमर ३२, गला १४, मोहरी १४, अब हिसाब करके कपडा

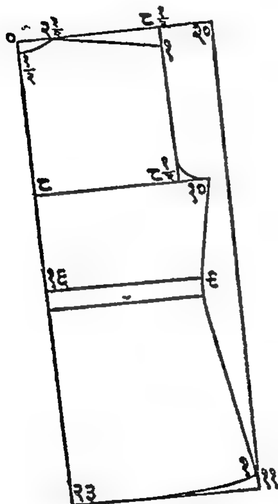
जितना लगेगा लिया जाता है। कपड़ेका परिमाण होगा २ लम्बा १ आस्तीन और ३ या ४ गिरह और अधिक। इसका आस्तीन केहुनी के ऊपर रहता है। उसको हाफ आस्तीन कहते हैं। इस कपडेसे लम्बाईका नाप २६ से १ इञ्च अधिक लम्बा एक कपडाका टुकडा का लेना होगा। इसको चौडा रखना होगा सीनाका आधा और ३ इञ्च अधिक। अर्थात् इसको इस तरह चौडा को दो भाज करो कि जो एक-एक भाग सीनाका ¼ और ३ इञ्च अधिक हो। उसके बाद भाज करके देखो समूचा कपडा चौडा हुआ सीनाका आधा और ३ इं० अधिक। अभी हमारे सीनाका नाप है ३६ इं० इसका आधा १८ इ० और ६ इं० कुल २४ इं० लेकर उसका आधा १२ इञ्च पर भाज करो।

०, २०, २३, ११ यही हमारा भाज किया हुआ कपडा बिछाया हुआ है। अभी ० से सीनाका नाप ३६ इञ्च का ¼=९ इञ्च से १ इञ्च कम करके ८ इञ्च मोढाका नाप लेकर ८ इं० नीचे ८ रक्खो। हमने कुर्त्ता काटनेके समय देखा है मोढा सीनाका ¼ है यह आस्तीनसे १ इं० कम क्यों हुआ ? इसका कारण यही है कि कुर्त्ता के मोढासे यह कपडा कुछ अधिक कसा रहता है। कमीज, ब्लाउज, सेमीज, फ्राक, जाकिट, सबका फतुहाके हिसाबसे मोढा होगा। और कोट, वेस्टकोटका मोढा ठीक चार भागका एक भाग होगा।

पीछ भाग (Back part)

० से गलाका नाप १४ का ¼=३½ साढे तीन इञ्च से १ इञ्च

कम करके जो २½ इं० बचता है वही २½ इं० पूर पर २½ इं० रक्खो।



चित्र न० ४

० से ½ इं० नीचे ½ रख कर ½ और २½ ठीक चित्रके ऐसी टेढ़ी रेखा जोड दो ० से ८ मोढा ८ नीचे।

८ और ० से पुट का नाप ८ इं० और ½ इं० कुल ८½ इं० दूर पर ८½ रक्खो। कुर्त्ते मे ठीक इसी तरहसे पुट का नाप लिया जाता है।

० से सेस्तका नाप १६ इं० नीचे १६ रक्खो। इसी जगहसे कमर का नाप लिया जाता है। ऊपर के ८½ से १ इं० नीचे १ रख कर २½ और १ ठीक चित्रके ऐसी सीधी रेखा जोड दो। कुर्त्तामे यही जगह १½ इं० नीचे है। ८ से ३६ सीनाका नाप उसका ¼=६ इं० और १ इञ्च कुल १० इञ्च लेकर १० इं० दूर पर १० रक्खो।

१६ से कमरका नाप ३२ और उसका ¼ ८ इं० और १ इं० कुल ६ इं० लेकर ६ इं० दूर पर ६ रक्खो। अभी देखा गया १६ से ६ हुआ ६ इं० दूर पर। १६ से ६ जितना दूर है २३ से उतनाही। अर्थात् ६ इं० और २ इं० अधिक कुल ११ इं० दूर पर ११ रक्खो। उसके बाद देखा गया फतुहाके नीचेका घेरा चौड़ा है, कमर जितना चौडा है उससे २ इं० अधिक।

११ से १ इं० ऊपर १ रख कर २३ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो।

अब चित्रके ऐसा १ से ६, ६ से १० जोड करके रख देनेसे फतुहाका पीछा भाग बन गया। अब कंची लेकर ½ से २½ रेखा २½ से १ रेखा, १ से १०, ६ और ११ रेखा काट कर रख दो। इसी तरह पीछला भाग कटा हुआ हो गया अब सामनेका भाग काटना होगा।

सामना भाग (Frent part)

पीछे भागके ऐसा लम्बाईके नापसे १ इं० अधिक एक खण्ड कपडा लेना होगा। उसका चौडा पीछाका सीना का आधा और ६ इं० अधिक लेनेसे जितना होता है उतना ही लेकर इसी कपडाके बीचमे लम्बा करके भांज करके रख दो।

० से ८ इं० नीचे मोढाका नाप ८ रक्खो।

० १६ इं० नीचे सेल्तका दाग देकर १६ रक्खो।

८ और ० से ८½, पुटका नाप ८ और ½ इं० अधिक, ८½ इं० दूर पर ० से २½ गलाका नाप १४ इं० का ¼=३½ इं० से १ इं० कम २½ इं० दूर पर भी कुर्त्ताके ऐसा गलाका दाग देना होगा। ८ से सीनाका नाप ३६ इं० का ¼=९ इं और २ इं० अधिक कुल ११ इं० लेकर ११ इं० दूर पर ११ रखना होगा। ख्याल करके देखो पीछेका सीनासे ¼ और १ इं० अधिक रक्खा गया है। अब सामना भागके १ इं० के स्थानमे २ इं० अधिक रक्खा गया है। उसके बाद मोढाके ऊपर सीनाके नाप से ६ इञ्च अधिक रक्खा गया है। इसमें १ इञ्च सिलाई कम जाने पर ५ इञ्च पर पक्का सिलाई करोगे कमीज कुर्त्तासे कुल ८ इञ्च अधिक ढीली रक्खी जाती है उसमे से सिलाईमे १ इञ्च कम हो जानेसे ७ इञ्च ढीला है। अब देखनेसे मालूम होता है कमीज कुर्त्तासे फतुहाका एलावेन्स (allowance) २ इञ्च कम रहता है।

१६ से १० कमरका नाप ३२ इं० का ¼=८ इञ्च और २ इं०

८ और ० से पुट का नाप ८ इं० और ½ इं० कुल ८½ इं० दूर पर ८½ रक्खो। कुर्त्ते मे ठीक इसी तरहसे पुट का नाप लिया जाता है।

० से सेस्तका नाप १६ इं० नीचे १६ रक्खो। इसी जगहसे कमर का नाप लिया जाता है। ऊपर के ८½ से १ इं० नीचे १ रख कर २½ और १ ठीक चित्रके ऐसी सीधी रेखा जोड दो। कुर्त्तामें यही जगह १½ इं० नीचे है। ८ से ३६ सीनाका नाप उसका ¼=९ इं० और १ इञ्च कुल १० इञ्च लेकर १० इं० दूर पर १० रक्खो।

१६ से कमरका नाप ३२ और उसका ¼ ८ इं० और १ इं० कुल ९ इं० लेकर ९ इं० दूर पर ९ रक्खो। अभी देखा गया १६ से ९ हुआ ९ इं० दूर पर। १६ से ९ जितना दूर है २३ से उतनाही। अर्थात् ९ इं० और २ इं० अधिक कुल ११ इं० दूर पर ११ रक्खो। उसके बाद देखा गया फतुहाके नीचेका घेरा चौडा है, कमर जितना चौडा है उससे २ इं० अधिक।

११ से १ इं० ऊपर १ रख कर २३ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो।

अब चित्रके ऐसा १ से ९, ९ से १० जोड करके रख देनेसे फतुहाका पीछा भाग बन गया। अब कैंची लेकर ½ से २½ रेखा २½ से १ रेखा, १ से १०, ९ और ११ रेखा काट कर रख दो। इसी तरह पीछला भाग कटा हुआ हो गया अब सामनेका भाग काटना होगा।

सामना भाग (Front part)

पीछे भागके ऐसा लम्बाईके नापसे १ इं० अधिक एक खण्ड कपडा लेना होगा। उसका चौडा पीछाका सीना का आधा और ६ इ० अधिक लेनेसे जितना होता है उतना ही लेकर इसी कपडाके बीचमे लम्बा करके भाज करके रख दो।

० से ८ इं० नीचे मोढाका नाप ८ रक्खो।

० १६ इं० नीचे सेस्तका दाग देकर १६ रक्खो।

८ और ० से ८½, पुटका नाप ८ और ½ इं० अधिक, ८½ इं० दूर पर ० से २½ गलाका नाप १४ इं० का ¼=३½ इं० से १ इं० कम २½ इं० दूर पर भी कुर्त्ताके ऐसा गलाका दाग देना होगा। ८ से सीनाका नाप ३६ इं० का ¼=९ इं और २ इ० अधिक कुल ११ इं० लेकर ११ इं० दूर पर ११ रखना होगा। ख्याल करके देखो पीछेका सीनासे ¼ और १ इ० अधिक रक्खा गया है। अब सामना भागके १ इं० के स्थानमे २ इं० अधिक रक्खा गया है। उसके बाद मोढाके ऊपर सीनाके नाप से ६ इञ्च अधिक रक्खा गया है। इसमें १ इञ्च सिलाई कम जाने पर ५ इञ्च पर पक्का सिलाई करोगे कमीज कुर्त्तासे कुल ८ इञ्च अधिक ढीली रक्खी जाती है उसमें से सिलाईमे १ इञ्च कम हो जानेसे ७ इञ्च ढीला है। अब देखनेसे मालूम होता है कमीज कुर्त्तासे फतुहाका एलावेन्स (allowance) २ इञ्च कम रहता है।

१६ से १० कमरका नाप ३२ इ० का ¼=८ इञ्च और २ इ०

चित्र नं० ६

साधारणत डबल कफ वा अमेरिकन कमीज का कफ डबल रहता है। इच्छानुसार इसमे वेन्ड कालर और टेनिस कालर भी होता है स्क्वायर कफ कमीजके कफकी लम्बाई १० इं० और चौढाई ३ इं० होती है। भीतरमे फडा कपडा देकर तैयार करना होगा। इसमे साधारणत लंक्लौथ का रहता है।

ड्रेसिंग कमीज और डबल ब्रेष्ट कमीज—इसके सीना के ऊपरसे होकर डबल ब्रेष्ट नहीं होकर डबल ब्रेष्ट सेपका प्लेट रक्खा जाता है। चित्र देखो तब समझ जाओगे।

मिलेटरी कमीज और एक प्रकारका टेनिस कमीज

यह साधारणत खाकी कपड़ेका होता है। सीनाका प्लेट २ या २½ इञ्च चौडा होता है। कन्धेके ऊपर बीचमें दो स्ट्राप रहता है।

मान लो तुम्हे कमीज काटनेके समय नीचे लिखे नापसे काटना है।

नाप—लम्बा ३२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १४, मोहरी ७।

जिस हिसाबसे कुर्त्ताका कपडा लिया गया है ठीक उसी हिसाबसे इसका भी कपडा लेना होगा। हिसाब हुआ २ लम्बा १ आस्तीन और ४ गिरह अधिक। अब इसी कपडा से पहले लम्बाईके डबलके बराबर और २ इं० अधिक कपडा फाट लो। उससे सामना और पीछाका काटेंगे। अभी कमीजके सीनाका

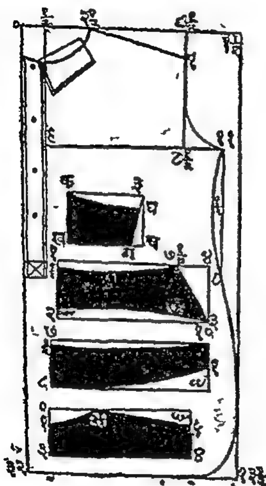
नाप ३६ से उसका ¼=९ इं० बाद देकर रहा २७ इं० । कमीजके कपडेका घेरा रखोगे २७ इं० । यदि कोई कपडा २७ इं० से अधिक होगा तो २७ इं० रखकर बाकी कपडा काटकर रख दोगे । अब समझना होगा कमीजका घेरा होगा सीनाके नापका ¼ बाद देकर जितन बचेगा उतना ही । अब कमीजके कपडेको कुर्त्ताके ऐसा चौडा २७ इसका आधा करके लम्बा-लम्बा करके भांज कर लो ।

७ से १½ और ३२ से १३½ मान लो कि जो वही भांज किया हुआ कपडाको बिछा लिया है ।

७ से ३२ हुआ लम्बा और १ इं० अधिक सब ३३ इं० । ७ से १½ और ३२ से १३½ हुआ घेराका आधा १३½ इं० अर्थात् २७ इं० चौडा कपडा जो रक्खा हुआ है उसका आधा १३½ इं० । इसी कपडासे पहले १½ इं० परिमाणका कपडा कमीजके सीनाके प्लेटके लिये रख दोगे । अब कमीजका नाप यही १½ और ९ रेखासे लेना होगा । ½ से ९ मोढाका रेखा । कमीजका मोढा सीनाके नापका ¼=९ इं० से १ इं० कम होगा । या ½ से ९ हुआ ८ इं० नीचे । फतुहामें भी मोढाके नापमे ठीक यही फर्क देखा जाता है और सब नाप ठीक कुर्त्ताके ऐसा होता है ।

½ से८½ और ९ से ८½ ठीक कुर्त्ताके ऐसा पुट ८ और ½ इं० अधिक सब ८½ इंच । ½ से २½ ठीक २½ इं० दूर पर । इसका हिसाब हुआ गलाका नाप १४ का ¼, ३½ इं० से १ इं० कम २½

इं० समूचा गला ठीक कुर्त्ताके ऐसा नापकर काटना होगा। इसको सामना भागसे होकर काटोगे।



चित्र न० ७

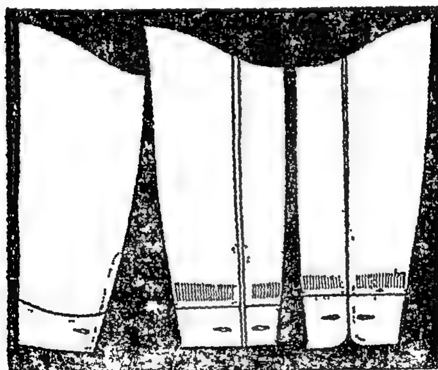
८½ से १½ इं० नीचे। ६ से ११ हुआ सीनाका नाप ३६ का ¼ और २ इं० सब ११ इं०। ११ से ८ इं० नीचे ८ तक पंजाबी (कुर्त्ता) के ऐसी एक सीधी रेखा खींचो उसके बाद ८ और ११ इसके

कफ—टेनिस कमीजके आस्तीनके मोहरीके ऊपरजो एक टुकडा कपडा सिलाई किया हुआ है उसीको कफ कहते हैं। (आस्तीन के चित्रमे देखनेसे समझ जाओगे) कफके लिये ३ इञ्च चौडा और मोहरी के नापके बराबर लम्बा लेना होगा। क, ख, ग, घ जिस तरह से बनाया हुआ है ठीक उसी तरह दो टुकडा कफ काटना होगा। कपडा भाज कर लेने पर ख से ३ इं० ऊपरमे क रक्खो। ग से घ २ इं०। इसको चित्रके ऐसा काट लोगे। कफ काटनेके समय कपडेको मोहरीके ऊपर रखकर इसी नापसे काटनेसे आसान होता है।

अब कमीजको सिलाई करो। इसके बगलको जोडनेके समय बगलके पाकिटको सिलाई करना होगा। इसका नाप ठीक कुर्त्ताके पाकिटके नापके बराबर करना होगा।

पहले सामना भागके ७ से १६ इ० तक नीचेके तरफ प्लेट के दागके ऊपरसे काट लो। यही जगह सीनाका खुला हुआ जगह होगा। प्लेटको जोड दो। इस समय प्लेटके भीतर एक टुकडा और कपडा दे दोगे। जिससे प्लेट कुछ कडा रहता है और काज बनाने और सिलाई करनेमें अच्छा होता है। इसी कपडेको डक वा इस्ति कहते हैं। कमीज, कुर्त्ता वगैरहके प्लेटमे इसी तरह डक देना होता है। कालर तैयारी करनेके बाद इसी डककी जरूरत पड़ती है। पीछेका प्लेट भीतरमे १ इंच जोडकर रक्खो। इस जगहके लिये एक तैयारी कमीजको देख लेना। अब जो काटा हुआ है उसका ३ और ४ रेखा पीछाके ऊपरसे साथ-साथ जोड दो।

उसी तौरका २½ और ५ रेखा सामनाके दोनों कंधामें २½ और १ रेखाके साथ सिलाई कर दो तब सामने और पीछेका जोड हो गया। अब बगल (साइड) सिलाई करके पाकिट सीना होगा आस्तीन सीनेके समय चूडीदार कुर्त्ताके आस्तीनके ऐसा मोहरीके मुँहके लिये ४ इं० खुला रहेगा। एक तैयारी आस्तीन देख लेनेसे आसानी होगा।



टेनिसकफ डबलकफ स्कायरकफ

चित्र नं० ९

अब टेनिस कालरके ७½ और ३ रेखा दोनोंको और ½ और ३ रेखाके बगलको सिलाई करके उल्टा दो। उसके बाद बैन्ड कालर के ½ और १० के बगलको टेनिस कालरके साथ सिलाई

करके उल्टा लो उसके बाद ८ और १ रेखा कमीजके गलाके साथ जोड देनेसे टेनिस कालर तैयार हो जायगा।

सभी कमीजके काटनेका नियम एक ही तरह है। लेकिन जिस समय स्मार्ट कालर कमीज काटना होगा उस समय उसमें सीना का ½ और २ इञ्च नहीं रखकर १½ इंच अधिक रक्खोगे। सीनाके प्लेटके लिये एक इंच चौडा कपडा रक्खोगे।

टेनिस कमीज, स्मार्ट कालर कमीज, मिलेटरी कमीज आदि के आस्तीनका कपडा मोढाके नापके एक इं० अधिक चौडा रखना होगा। जिस तरह इसके मोढाके साथ तीरा जोड देने पर मोढा अधिक चौडा हो जाता है।

जब डबल कफ या स्क्वायर कफ (छोटा) कमीजका आस्तीन काटोगे तब उसके कपडोंको भाज करनेमें कुछ फर्क देखा जाता है। साधारण आस्तीनका कपडा चौडाईमें बीचसे भाज किया जाता है। इसमे इस तरहसे नहीं होता। साधारण आस्तीन काटनेके समय मोढाके नापका डबल और १ इंच अधिक अर्थात् ८+८+१=१७ इंच कपडा लिया जाता है इसमे उसके बीचमें ८½ इंच से भांज नहीं करके १७ इंचको ३ हिस्सा किया। दो हिस्साको १२ इंच और १ हिस्सा को ५ इंच रखो। पहले १२ इं० का आधा ६ इंचसे भाज करके ले लेंगे इसके बाद ५ इंचका आधा २½ इंचसे भाज ले करके दोनों के मुँहको इकट्ठा कर लोगे। डबल कफके आस्तीनके चित्रमें देखनेसे समझ जाओगे। अब आस्तीनके मोढाके शेपके ऐसा शेप कर दो। डबल कफ कमीजका आस्तीन लम्बाईके नापसे १½ इंच और स्क्वायर कफ

कमीजका आस्तीन २ इंच छोटा रक्खा जायगा। क्योंकि इसके साथ अलगसे एक कफ जोडा जाता है। डबल कफ कमीज का कफ १० इंच लम्बा और ४½ इं चौडा रख कर काटना होता है। कफ तैयारी करके उसके चौडाईको ठीक बीचसे उल्टाना होगा। स्कायर कफमें १० ½ इंच लम्बा और २½ इंच चौडा लेकर काटना होता है। इसके कफके भीतर मे कडा डक या अस्तर देना पडता है। डबल कफमें नरम पतला कपडा चाहिये। कफके साथ आस्तीन जोडनेके समय आस्तीनके कपड़ेको सिकुडाकर कफके ठीक बराबर करके तब कफके भीतरमें रखकर सिलाई करना होता है। इन सब कमीजमे प्राय. बैन्ड वा हाई कालर होता है। आस्तीनके चित्रको अच्छी तरह देखनेसे काटने और सिलाई करनेमे सुविधा होगी। डबल कफके वा स्कायर कफके कमीजका आस्तीन पहले बगल और कफ जोडकर उसके बाद काटोगे। बगल सिलाई करके एक उसके ऊपरसे सिलाई करके उल्टा भागमे आस्तीन काटोगे नहीं तो दोनों आस्तीन एक ही तरफ लगनेके लायक रहेगा।

पैंट (Trouser)

पैंट काटनेमें कपडेका हिसाब होगा एकहरा कपडा होने पर २ लम्बा और आधा गज कपडा अधिक। यदि दोहरा कपडा होगा तब लम्बाई उतना ही और ४ गिरह अधिक। यदि सूती कपडेका पैंट होगा तब एकहराके लिये २ हथ लम्बा और आधा गज अधिक कपडा। इसके पाकीट वगैरहके लिये अस्तरका कपडा होगा। अस्तर का कपडा १२ गिरह लगेगा। और यदि

गर्म कपडेका पैन्ट होगा तब इसके पाकीट वगैरहके लिये पैंटके कपडाके ऐसा रङ्गका सूता और केलिको कपडेका होगा पाकिट के लिये ६ गिरह केलिको कपड़े का और २ गिरह छीटका जरूरत पडता है। पैन्ट इङ्गलिस स्टाइलका या अमेरिकन स्टाइल (डिजाइन) का होता है। हम पहले इङ्गलिश पैंटके बारेमें लिखेंगे। सभी तरहके पैंटको काटनेका एक ही किस्म से नाप लेना होता है।

सामना भाग (Front Part)

नाप—लम्बा ४२, पीछा ३६, कमर ३२, घुटना २०, मोहरी १७।

८ से लम्बाईके नापसे आधा इं० अधिक करके ८, ४२ रेखा खींचो।

८ से पीछाका नाप ३६ का $\frac{1}{3}$ या १२ इं० नीचे १२ रक्खो। १२ से ८ तक ऊपरके भागको छाई (ऊँचा) कहते हैं।

१२ से ४२ तक नीचेके भागको सेकम (पैरकी लम्बाई Leg length) कहते हैं। १२ और ४२ इसके बीचमें अर्थात् आधासे और १ इं० ऊपरमे १७ रक्खो। इसी जगहसे घुटनेका नाप लेना होता है।

१२ से पीछाका नाप ३६ का $\frac{1}{3}$, १२ इं० और $\frac{1}{2}$ इं० अधिक १२ $\frac{1}{2}$ इ० दूर पर च रक्खो। च से ५ हुआ च से १२ जितना है उसका $\frac{1}{3}$ भाग।

१२ से ५ और ८ से ६ बराबर दूर रक्खो। ७, ६ रेखा ८, ६ रेखासे २ इ० नीचे। ७ से ६ कमरका नाप ३२ इं० का $\frac{1}{4}$,

कमीजका आस्तीन २ इंच छोटा रक्खा जायगा। क्योंकि इसके साथ अलगसे एक कफ जोडा जाता है। डबल कफ कमीज का कफ १० इंच लम्बा और ४½ इं चौडा रख कर काटना होता है। कफ तैयारी करके उसके चौड़ाईको ठीक बीचसे उलटाना होगा। स्कायर कफमे १० ½ इंच लम्बा और ३½ इंच चौडा लेकर काटना होता है। इसके कफके भीतर मे कड़ा डक या अस्तर देना पडता है। डबल कफमे नरम पतला कपडा चाहिये। कफके साथ आस्तीन जोडनेके समय आस्तीनके कपड़ेको सिकुडाकर कफके ठीक बराबर करके तब कफके भीतरमें रखकर सिलाई करना होता है। इन सब कमीजमें प्राय बैन्ड या हाई कालर होता है। आस्तीनके चित्रको अच्छी तरह देखनेसे काटने और सिलाई करनेमे सुविधा होगी। डबल कफके वा स्कायर कफके कमीजका आस्तीन पहले बगल और कफ जोडकर उसके बाद काटोगे। बगल सिलाई करके एक उसके ऊपरसे सिलाई करके उल्टा भागमे आस्तीन काटोगे नहीं तो दोनों आस्तीन एक ही तरफ लगनेके लायक रहेगा।

पैंट (Trouser)

पैंट काटनेमे कपडेका हिसाब होगा एकहरा कपडा होने पर २ लम्बा और आधा गज कपडा अधिक। यदि दोहरा कपडा होगा तब लम्बाई उतना ही और ४ गिरह अधिक। यदि सूती कपडेका पैंट होगा तब एकहराके लिये २ हथ लम्बा और आधा गज अधिक कपडा। इसके पाकीट वगैरहके लिये अस्तरका कपडा होगा। अस्तर का कपडा १२ गिरह लगेगा। और यदि

क से घुटनाका नाप २० इसका आधा १० और ½ इञ्च अधिक सब १०½ इञ्च दूर पर "घ" रक्खो।

ख से मोहरीका नाप १७ इञ्च का आधा ८½ और ½ इञ्च सब ९ इञ्च दूर पर ग रक्खो।

अबी ०, ६, १२, क, ख, ठीक चित्रके ऐसा जोड दो। उसके बाद च, घ, ग ठीक चित्रके ऐसा जोड दो। ग, ग रेखाके नीचे और ५ इञ्च अधिक कपडा लेकर ठीक ड्राइंग किया हुआ रेखाके ऊपरसे काट लो तब सामना भाग कटा हुआ हो जायगा। यही ५ इञ्च अधिक कपडा पैंटके नीचेमे फोल्डिंगके लिये रक्खा गया है। इसको मोड करके सिलाई करना होता है। उसके बाद सामनाका दोनों टुकडा जिसमे दाहिनी तरफ सिलाई होगा उसी भागसे और घ, छ, च रेखाको काट देना होगा। इसको ड्रेसिंग कहते हैं। इसको नही काटने से दाहिनी तरफ के पैरके कपडेकी बेशी भांज करना पड़ेगा। ७, ५ छ जो बिन्दी-बिन्दी रेखा है उसे दाहिनी तरफके हिस्सासे काटना होगा।

पीछा भाग (Back)

कपडेमें जिस किनारासे सामना भाग काटा गया है उसका ठीक उल्टा भागसे पीछाका कपडा काटना होगा। अब काटा हुआ सामना भाग इस कपडेके ऊपर बिछा दो। इस कपडेके जिस स्थानसे कमरका हिस्सा हुआ है उसी हिस्सासे मोहरी काटोगे। और जिस तरफसे मोहरी काटोगे उसी बगलसे कमर

कि ए, बी रेखासे धीरे-धीरे सामना भागके क बिन्दूके साथ मिलकर क, ख रेखाके साथ मोहरी तक चला जाय ।

च से १½ इञ्च दूर पर १½ और घ, ग से १ इञ्च दूरपर १ और २ रखकर १½ १ और २ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो। हम कमरका नाप जो लिये हैं उसका आधा १६ इञ्च और १ इञ्च सब १७ इञ्च लेना होगा। अब पैन्टके सामना भागके हिस्सासे कमर का नाप ८½ इञ्च पहलेके १७ इं० से बाद देकर जो बचा ए से ठीक उतना ही इञ्ची दूरपर भी दाग दो। सी और च चित्रके ऐसा जोड करके च से छ जोड दो । १½ से छ पौन इञ्च नीचे है।

सी से डन चार इं० ऊपरमें। ३ से १४ दो इं० दूर पर। १४ से १५ दो इञ्च ऊपरमे। ए, १५, ३ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो। ए से ३ इं० दूरपर प का दाग देकर प से पांच इञ्च नीचे तक दाग देकर-फ रक्खो। उसके बाद प और फ ठीक ग्राइफेटके ऐसा बनाओ। इसके बीचका फाक आधा इञ्च होगा।

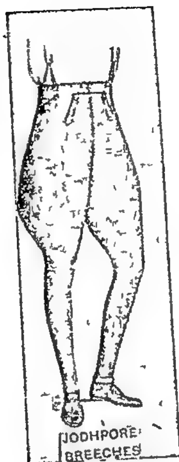
इसके पीछा भागसे कपडा काटनेके समय ए, बी, क, ख और ३,१½ १, २ रेखाके बगलमे १ इञ्च अधिक कपडा लेकर काटोगे अभी एक सामनाका और एक पीछाका लेकर सिलाई करनेके लिये आरम्भ करो। ए, बी क, ख रेखाको पैन्टका बगल कहते हैं सिलाई करनेके समय पहले बगल उसके बाद सेकम तब फ्लाइ, काजपट्टी, बटन पट्टी सिलाई करोगे।

सामना भागके ८, ६, क, ख, रेखा पीछा भागके ए, बी क ख रेखाके ऊपर सिलाई करना होगा। यही बगल सिलाई करनेके

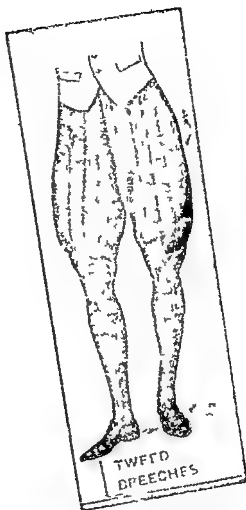
नाप—लम्बाई ४२, पीछा ३६, कमर ३५, घुटना २०, मोहरी १८। लम्बाईके नापसे १ इञ्च अधिक लेकर ० से ४२ रेखा खीचों।



० से १२ पीछाका माप ३६ और १२
सब १३ इं० । साधारण पैंटमें , न



जोधपुर ब्रिचेज



ट्वीड ब्रिचेज

३ ऊंचा (High) रक्खा गया है। जब कभी कारपुलेन्ट या सेमी कारपुलेन्ट शरीरका होगा तब बढा एक इंच अधिक रखना होगा।

१२ से ४२ जितना लम्बा है उसके आधासे २ इंच ऊपरमें १७ रक्खो। इस जगहमें ठीक साधारण पैंटके ऐसा १२ से पीछाके नापका ३ बारह इन्च और १ इन्च अधिक १३ इन्च दूर पर १३ रक्खो। १३ से ६ हुआ १२ से १३ जितना है उसका ⅓ भाग दूर पर।

६ से ६ तक सीधी रेखा खींचो। ६ से ५ एक इन्च दूर पर ६ से पौन इन्च दूर और ७ से १ इं० दूर पर यथाक्रम २० और ४ रखकर चित्रके ऐसा जोड दो। ६ से १ इन्च दूर पर ५ रखकर ० और ५ जोड दो।

क से घुटनाके नापका आधा और आधा इ० सब १०½ इं० दूर पर ८ रक्खो।

ख से मोहरीके नापका आधा और आधा इं० सब १½ इं० दूर पर १४ रक्खो।

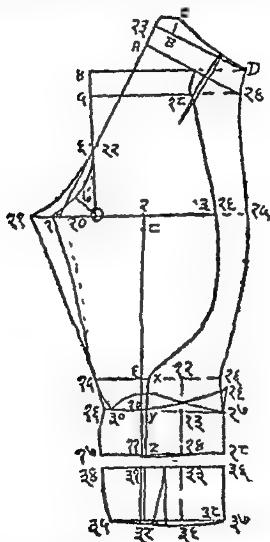
१३, ८, १४ चित्र के ऐसा जोड दो। इसके नीचे पांच इं० अधिक रखकर काटलो।

इसका पिछला भाग ठीक साधारण पैंटके ऐसा होगा।

राइडिंग ब्रिचेज्

ब्रिचेज़ दो तरहका होता है। राईडिंग (घोडसवार) ब्रिचेज् और जोधपुर ब्रिचेज्। राइडिंग ब्रिचेज् जोधपुर ब्रिचेज़से ६ इं०कम होना चाहिये। इसके घुटनासे नीचेका हिस्सा चूडीदार पैजामाकी

जोड़नेसे जितना होगा उसीसे सामना भागके मोहरीमें जितना, है उतना बाद देकर जो बचेगा उतना ही मोहरी का नाप होगा।



चित्र न० १५

३२ से ३६ एक इन्च दूर पर। चित्रमें जैसा एक टेकिन ' लगा हुआ है वैसी ही टेकिन लगाओ। अब यह 'ब्रिचेज हो गया

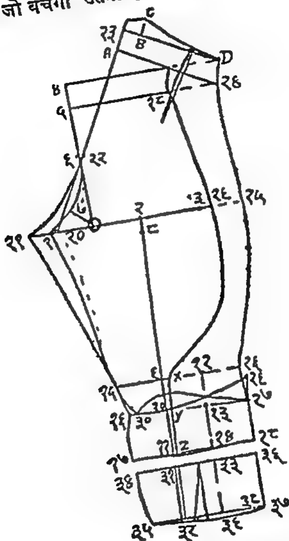
ज्यादा। १६ से २५, २३ इं। २५ से डी तक एक सीधी लाइन खींचो। अब डी, २४, २५ चित्रके ऐसा जोड दो। २३ और डी सीधी लाइन खींच कर चित्रके ऐसा जोड दो।

२३ से २ इंच दूर पर उसी लाइनके ऊपर बी रक्खो। बी से १½ इं० ऊपर सी रखकर २५, सी, और डी चित्रके ऐसा जोड दो। इसके ऊपरसे पतलूनके पीछेके टेकीनको तरह एक टेकीन लगाओ।

१५ से २६ घुटनाका पूरा नाप और १ इञ्च अधिक लेकर जितना होगा वह १५ से जितना अधिक होगा उसे बाद देकर जो रहेगा उतना ही ठीकनाप होगा। १६ से २७ घुटनाके नीचेका जितना नाप है, घुटनाका नाप और १ इं० अधिक लेकर जितना होता है उसीसे १६ से बाद करने से जितना बचेगा उतना ही होगा।

१७ से २८ काफका जितना नाप है उससे १ इञ्च अधिक लेकर जितना होगा उसीसे १७ से ८ जितना है उतना बाद देकर जो बचेगा उतना ही होगा। टेकिनके लिये ६ से १ इञ्च नीचेमें एक दाग दो २६ से २६ एक इञ्च दूर। ३०, १६ से ½ इं० दूर पर। अब सबको चित्रके ऐसा जोड दो। अब नीचेका हिस्सा देखलो। ३१ से ३२, ४½ इञ्च। ३१ से ३३ काफके नापका ¼। ३३ से ३४ काफके नापका ¼। ३२ से ३५ मोहरीके नापका ¼। ३४ से ३६ काफके नापसे १ इं० अधिक लेकर जितना होगा उसीसे सामना भागमे काफमे जितना है उतना बाद देकर जो बचे उतना ही होगा। ३५ से ३८ मोहरीके नापका ७ में १ इञ्च

जोडनेसे जितना होगा उसीसे सामना भागके मोहरीमें जितना, है उतना बाद देकर जो बचेगा उतना ही मोहरी का नाप होगा।

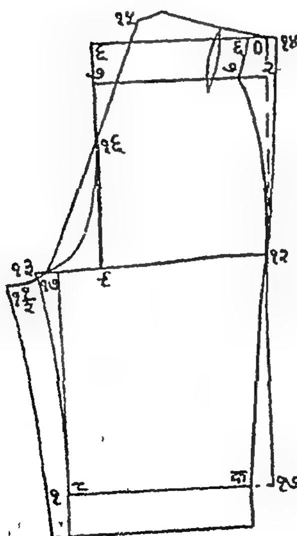


चित्र न० १५

१२ से १६ एक इञ्च दूर पर। चित्रमें जैसा एक टेकिन। लग
हुआ है वैसी ही टेकिन लगाओ। अब यह 'मिथेज हो गर

इसके दोनों पैरों में घुटनासे नीचे खुला रहता है। इसके एकमे काजघर और एकमें बटन रहेगा। चित्रको देखो चित्रमें भी बटनका चिन्ह लगाया हुआ है। जोधपुर ब्रिचेजमें खुला नहीं रहता पूरा सिलाई रहता है।

हाफ पैन्ट (Half pant)



चित्र नं० १६-१७

हाफपैन्ट ठेहुना तक लम्बा होता है। इसका ठेहुना कुछ अधिक चौडा रहता है। ठीक करपुलेन्ट पैन्टके नियम से यह पैन्ट काटना होगा लेकिन उसमे २०, ४ रेखा जिस तरह टेढा है उस तरह न होकर साधारण पैंटके ऐसा इस जगह पर जिस तरह शेप है उसी तरह शेप होगा। लेकिन यदि करपुलेन्ट होगा तब इसी तरह शेप होगा।

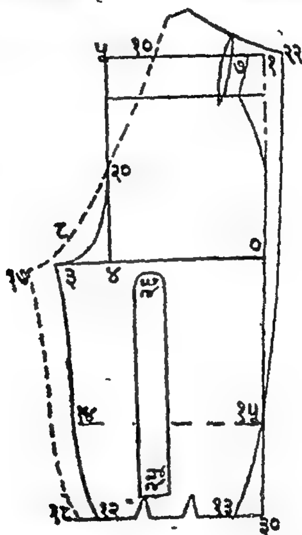
अमेरिकन प्लासफोर

साधारण इंगलिस पैन्टसे इसमे ऊपर (लम्बाई) मे फर्क है। अधिकतर पैन्टकी लम्बाई ले साधारण पैन्टके ऐसा बनाना होगा। साधारण पैंटकी लम्बाई पीछेके नापका $\frac{1}{3}$ रहता है। इस जगहमें लम्बाई उसके $\frac{1}{3}$ से २ इञ्च कम करके यहो २ इ० एक अलग बैन्ड या पट्टी रखकर बराबर करना होगा।

१ से ३० लम्बाईका नाप ३८ से २ इं० कम करके। १ से हुआ पीछाका $\frac{1}{2}$ से २ इं० कम। १ से २२ जितना है उसका बराबर तीन भाग करके चित्रके ऐसा दो भागमे दो टेकिन लगादो। इसी टेकिनके सिलाई करनेसे सामना भागका शेप ठीक होगा।

सामना और पीछाका कमर नाप करके दोनों भागके लिये दो पट्टी काटो। इसका कमर है ३६ इ०। उसका हुआ १, २२, १०, ५, जोडनेसे जितना हुआ ठीक उतना ही इं० लम्बा करके एक वैन्ड काटो। वैन्डके सामनाका चौडा २$\frac{1}{2}$ इं० काटो और पीछे भागमें २ इं० रक्खो। उसके बाद सिलाई करके सामना

मे २ इं० और पीछेमें १½ इं० रक्खोगे। यही बैन्ड काटकर सामना और पीछा सिलाई करनेके बाद दोनो तरफ जोड दोगे।



चित्र नं० १८

बैन्डके सामने भागमे दो बटन और काजघर बनाओ। तब अमेरिकन पैन्ट होगा। इसके दोनों बगलमें ठीक बैन्डके नीचे स्ट्राप लगाओ। इसको साइड (बगल) स्ट्राप कहते हैं।

ड्रेसिंग पैंट (Dressing paint)

इसको ठीक साधारण पैन्टके नियमसे काटना होगा। इसके नीचेमें कोई फोल्डिंग नहीं होता है साधारण पैन्ट जितना ढीला रहता है यह पैन्ट उससे कुछ कम ढीला रहता है।

वेष्टग कोट (Waist Coat)

सामने का भाग (Front Part)

वेस्ट कोट तैयारी करनेमें पहले नाप जितना लम्बा होगा उससे १ इं० अधिक रक्खोगे।

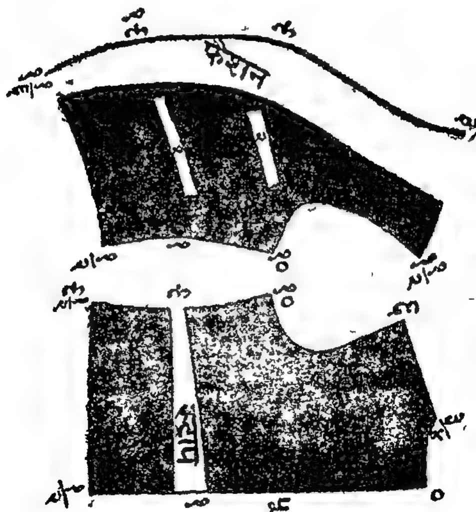
यदि लम्बाईका नाप नहीं रहेगा तब सेस्तके नापसे सामने भाग में लम्बाई ६ इं० बड़ा रखना होगा। वेस्ट कोटके लिये कपड़ा गर्म और सूती भी होता है। १॥ गिरह अर्जका कपड़ा लेनेसे काम चल जायगा। यदि सूती कपड़ेका वेस्ट कोट होगा तब इसका पीछे का भाग सादा लंकीयका रहेगा। और जब गर्म कपड़ेका होगा तब इसका पीछे का भाग जिस रंगके कपड़े का वेस्ट कोट होगा ठीक उसी रंगका इटैलिन कपड़ेका होगा। पहले सामने भागका ड्राइंग करना होगा।

नाप—सेस्त १६, सीना ३६, कमर ३२।

० से सेस्तके नाप १६ इं० स लम्बा और ६ इं अधिक अर्थात् २२ इं० करके रेखा खींचकर उस जगह २२ रक्खो।

०से २६ इं० नीचे सेस्तके बिन्दु तक २६ रक्खो। १६ से २२ हुआ। ३ इं० इस जगह लम्बा जो रखा गया...

अब देखोगे वेस्ट कोटका कटा हुआ २ टुकडा सामना और २ टुकडा पीछाका हुआ है। अब इसको सिलाई करनेका तरीका बतलाते हैं। कटा हुआ वेस्ट कोटके चित्रमें देखो तब समझमें आ जायगा।



कटे हुए वेस्टकोटका चित्र नं० २१

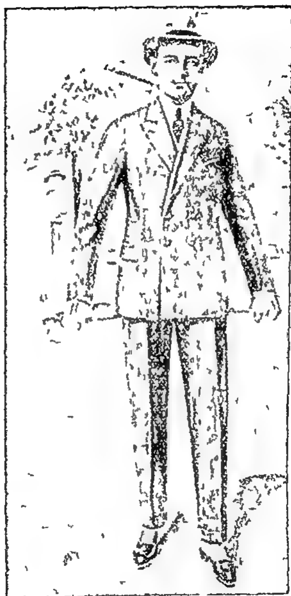
पहले सामना भागके पाकीटका दाग देकर पाकीटका मुँह काट कर पाकीट तैयार कर लो। उसके बाद सामना भागके लाइनको

जोड़ दो। सामना भागके नीचेके पाकीटका मुँह ५ इं० लम्बा रक्खो। ऊपरके पाकीटका मुंह ४ इं० लम्बा रक्खो। पीछा भाग जोड़नेके पहले ०, ५, १, ३ रेखाके ऊपरसे सिलाई करके पीछा भाग के दोनों टुकड़ों को इकट्ठा कर लो। चित्र के तरफ देखो। पीछा भागमें दो बाँधने वाला लगाओ। इसके एक में एक बकलेस लगाना होगा। पीछा भागमे दो स्ट्राप बराबर बराबर लम्बा रहता है। अब सामना भाग के १०, १, ३ रेखा पीछा भाग के १०, ६, ६३ रेखा के ऊपर रख कर सिलाई करदो। इसी समय दोनों बगल के ६३ से १३ इ० ऊपर, तक दोनो मुँह खुला रहेगा। सामना भागके कंधा के १३ और ३ रेखा पीछा भागके ३ और ६ रेखा के साथ सिलाई कर देना होगा। इसके बाद सामने दोनों भागके बाँया खण्ड मे काज घर बनाकर दाहिना खण्ड मे बटन लगाओ। पीछा भाग के गला के नजदीक क, ख, ग, घ, इसी के ऐसा एक टुकड़ा कपड़ा सिलाई करके देना होगा।

उसके बाद सामने और पीछा का कंधा जोड़ना होगा। तब देखोगे वेष्ट कोट सिलाई हो गया।

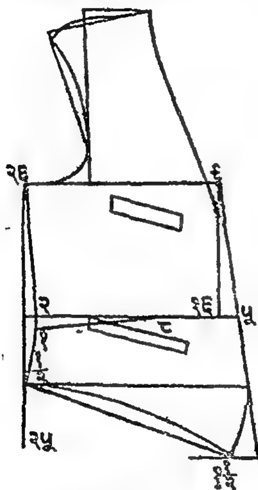
डबल ब्रेष्ट वेस्ट कोट

साधारण वेष्ट कोट के ऐसा इसका पीछा भाग काटना होता है। इसका सामना भाग ठीक साधारण वेष्ट कोटके ऐसा ड्राइंग
३ इंच दूरपर और कमरके १६ बिन्दुसे
एक सीधी रेखा जोड़ दो। उसके
करके काटो। चित्र देखने से



डबल ब्रेष्ट कोट

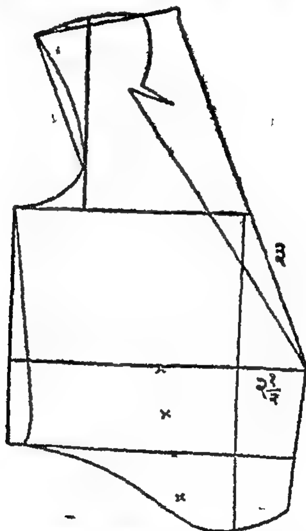
तरह का कालर लगाया जाता है जो जैसा चाहता है वैसा बना दिया जाता है। इगलिस कालर, रायल कालर, अमेरिकन कालर यह साधारण वेष्ट कोट से लम्बाईमें १ इं० कम रहता है।



डबल वेष्टकोटका चित्र न० २२ बी

किसी-कीसी आदमी के सीना और कमर का नाप बराबर होता है। ऐसे समय उसको सेमीकर पुलेन्ट' (Semicorpulent)

सब समझ जाओगे। इसमें चार-चार करके दोनों सामनामें बटन रहता है। बटन का दाग दिया हुआ है। उसी तरह ठीक बटन लगाना होगा। इसके दोनों सामने भागमें काजघर बनाना होगा।



डबल वेष्ट कोटका चित्र न० २२ ए

बाँया सामनाके ठीक ऊपरके बटनके साथ नीचे भीतर एक बटन लगाना होगा। दाहिना सामनाके खानाके भीतरमें रखकर इसी बटनके साथ लगाना होगा। नहीं तो ढीला रहेगा। इसमें तीन

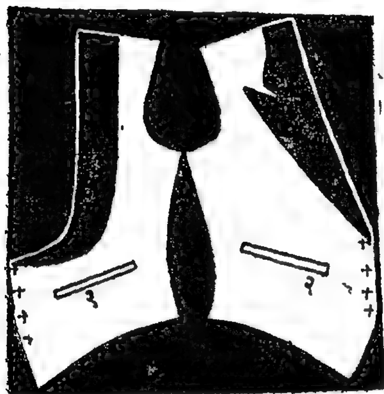
शरीर कहते हैं। यदि सीना के नापसे कमर का नाप बडा होगा तब उस शरीर को करपुलेन्ट शरीर कहते हैं। यदि इस तरह के शरीर का वेष्ट कोट काटना होतो उस समय किस तरह काटा जायगा सो लिखते हैं। इस वेष्ट कोट के समय सेस्तकी बिन्दू १६ से पौन इं० वाहर में एक दाग देकर ५ रक्खो। उसके बाद ६ और ५ ठीक चित्र के ऐसा टेढी रेखा जोड दो। ६, ५, रेखासे नीचे १½ इं० दूर पर पहले के ऐसा १½ रक्खा हुआ है। पहले के साधारण वेष्ट कोट के २५, २६ रेखा से १ इं० और ½ इं० दूर था। इसमें १ को आधा इं० दूर पर रख कर ½ ठीक २५, २६ रेखा के ऊपर रख कर २६, १, ½ जोड दो। अब १ से १ इं० ऊपर मे २ रक्खो। १६ से ४ इं० दूर पर ८ दाग देकर २ और ८ की सीधी रेखा जोड दो। तब कपूरलेन्ट या सेमीकर पूलेन्ट वेस्ट कोट तैयार होगा। १ और २ रेखा के बीच से ८ तक काट कर १ और २ रेखा का मुँह एक साथ मिला कर सिलाई कर देना होगा। इसको टेकिन कहते हैं। साधारण वेष्ट कोट के ऐसा इसको काट कर ठीक नियम के अनुसार पाकेट वगैरह तैयार करना होता है।

डेसभेष्ट या डिनर वेष्ट कोट

(Dinner Dress)

डिनर वेष्ट का चित्र दिया हुआ है देखनेसे समझमें आ-जायगी। इसको ठीक साधारण वेष्ट कोट के ऐसा काटना

होगा। इसका पीछा साधारण वेष्ट कोट के ऐसा काटने से और ऊपर की तरह तीन तरह का कालर दिखलाई देता है। यह वेष्ट कोट केवल डिनर शूट या ड्रेस शूट के साथ पहना जाता है।



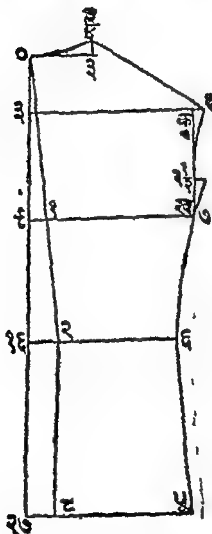
डिनर या ड्रेसवेष्टकोट का चित्र नं० २३

कोट (Coat)

कोट खुला गला (Open breast) वा बन्द गला (Cape coller) इन्हीं दो तरह का होता है। शूट के साथ जो कोट व्यवहार किया जाता है वह खुला गला का होता

८ ठीक चित्र के ऐसा जोड़दो ताकि ६ रेखाके एक बिन्दू के नजदीक से होकर जाय।

०से ½सीनाका नाप ३६ इं० का १/१२, ३ इं० दूर पर ३



कोटका पीछा भाग चित्र न० २४

रक्खो। ३ से पौन इं० ऊपर मे ३/४ रखकर ० और ३/४ चित्रके ऐसा जोड दो। ० से पुटका नाप ८ इं० और ½ इं० अधिक

सब ८½ इं० दूर पर ३ रेखा के सीध मे दाग देकर ६ रक्खो। ६ से आधा इं० भीतर मे एक दाग देकर क रक्खो उससे नीचे मे १ और १ रेखा के ऊपर क, ख के बीच में एक लम्बा रेखा खींचो। ६ और क, ख रेखा चित्र के ऐसा जोड दो। ख से २½, २ इं० ऊपर है २½ से पाव इं० बाहर मे दाग देकर ७ रक्खोगे २ से सीना का नाप ३६ इं० का ⅙, ६ इं० दूर पर सेस्त के रेखा के ऊपर ६ रक्खो। ८ से २ और ५, ६ जितना है अर्थात् ६ अर्थात् ६ इं० से १½ इं० अधिक ७½ इं० दूर पर ५ रखकर ७, ख, ६ और ५ चित्रके ऐसा शेप करके जोड दो। ¾ और ६ रेखा चित्र के ऐसा जोड दो। अब इस चित्र के साथ तुम अपना बनाया हुआ चित्र मिलाकर देखो कि ठीक हुआ या नहीं। कोटके पीछा का भाग अब शेप हो गया। अब कैंची लेकर ० और ¾ रेखा के ऊपर आधा इं० अधिक कपडा छोड कर सीने के लिये रखकर काटना होगा। उसके बाद ¾ और ६ रेखा काटो ६ से ५ तक ठीक रेखा के ऊपर से काट कर ६, ख, और ५ रेखा के ऊपर से काट लो। उसके बाद ८ और ५ रेखा के नीचे १½ इं० अधिक कपडा रख कर लेने पर पीछा भाग हो जायगा। सब ८, २, १ और ० रेखा के ऊपर से सिलाई कर देने से पीछा भाग का जोड हो जायगा।

कभी-कभी एक सलग कपड़ा से पीछा भाग काटा जाता है। पीछा के बीच में जोड़ कर सिलाई करने ही से शेप अच्छा होता है। जिस समय सलग कपड़े का पीछा काटा जायगा उस

समय पीछा कुछ छोटा काटना पडेगा नहीं तो शरीर मे अच्छी तरह नहीं वैठेगा। यह अवश्य ख्याल रखना चाहिए।

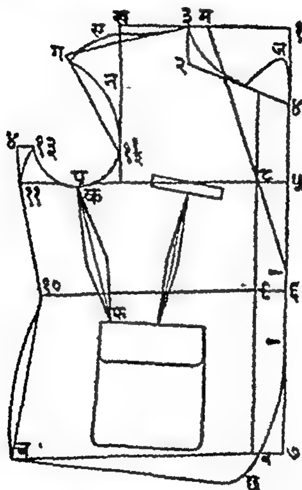
सामना भाग (Front Part)

हमने कपडे के जिस स्थान से पीछा भाग काटा है ठीक उससे उल्टा भाग मे जो कपडा पीछेका बचा हुआ है उसीमे से सामने भाग का ड्राइङ्ग करके काटना होगा। इस समय उस कपडे के किनारा वा पाड से आधा इञ्च दूर पर लम्बाई का नाप बराबर करके अर्थात् ० और २७ रेखा को बराबर करके १, ७ रेखा खींचना होगा। १, ५, ७ रेखा से १½ इं० भीतर में ८, ६ रेखा खींचो। इसी रेखा से नाप लोगे। १½ इं० बटन के लिये जगह रखो १ से सीना का नाप ३६ का $\frac{1}{12}$ ३ इञ्च और १ इञ्च ४ इञ्च दूर पर नीचे ४ रखना होगा। १ से मोढा का नाप ६ इं० नीचे ५ रक्खोगे।

१ से सेस्त का नाप १६ इं०, १६ नीचे रक्खोगे। अब फीता के ऊपर सीना का नाप ३६ का आधा १८ इञ्च और २½ इञ्च सब २०½ इञ्च जिस जगह लिखा हुआ है उस जगह अंगुली से चांप कर धरो। उसके बाद इसी २०½ से पीछा भाग के १ से ७ जितना है उतना बाद देकर जितना बचेगा ८ से ठीक उतनी ही दूर पर ११ रक्खोगे। मान लो कि पीछा के १ से ७ हुआ ७ इञ्च। अब २०½ से यही ७ बाद देकर १३½ इञ्च है। या ८ से १३½ इञ्च दूर पर ११ रक्खोगे। तब देखोगे कि स[illegible] सीना का नाप हुआ। अब स[illegible] आधा और २[illegible]

अधिक लेकर जितना होता है उससे पीछे भाग का सीना बाद देकर जितना रहता है उतना ही हुआ ।

६ से १० हुआ कमर का नाप ३२ इं० का आधा और २½



कोटका सामने भागका चित्र नं० २५

इ० सब १८½ इ० से पीछाके कमरका हिस्सा २ से ६ इं० बाद देकर १२½ इं० बचेगा। इस जगहका नाप और सीनाका नाप बराबर होगा। या देखा गया ६ से १० हुआ १२½ इं० ।

चित्रके ऐसा एक टेढा खींच कर प और १३ तक गोल करके चित्र के ऐसा जोड करके दिया है। यही हुआ बगल का जगह वा मोहरा।

३ से १ इश्च दूर पर म और ६ से १ इंच ऊपर मे एक दाग खींच कर म और वही दाग एक सीधा रेखा में जोड दो। इसी लाइन पर कालर उलटेगा। ४ से २ इ० ऊपर ज रखकर ४ और २ इसके बीच से ज बिन्दु चित्र के मुताबिक एक सीधी रेखा खींच कर जोड दो। तब यह अमेरिकन या डबल वेष्ट कालर हो जायगा।

प से १० इश्च नीचे प, फ रेखा खींच दो। प और फ रेखा के बीच मे दोनों तरफ आधा इश्च दूरी पर दो दाग लगाकर प और फ चित्र के ऐसा जोड दो। (कोट के सामने का चित्र देखो) इसको टेकिन कहते हैं। प, फ रेखा को सीधा पकडकर दोनों को एक साथ सिलाई कर दो। तब कमर के ऊपर का कपड़ा टेढा होकर बदन के ऐसा शेप हो जायगा। हम लोगों के शरीर में कमर से शुरू होता है। कोट के कमर का स्थान बदन के ऐसा शुरू करने के लिये ऐसा टेकिन का जरूरत होता है। कोट के सामने में और थोडा शेप करने के लिये सामने पाकीट के बीच से बगल के पाकीट तक और वैसा ही थोडा छोटा बन जाता है। क्योंकि इसीसे कमर का शेप सुन्दर मालूम पडता है (चित्र देखकर समझलो)।

च से च पिछला भाग का ८ से ५ जितना है उसी के दो गुणासे २ इं० कम। अब च और १० एक सीधी रेखा खींचकर जोड़ दो। इसके बाद च और १० इसके ठीक बीचमें बाहरमें आधा इं० दूर पर एक दाग खींचकर च और १० ठीक चित्रके ऐसा शेप करदो।

६ से २½ इं० नीचे या ६ से १ इं० ऊपर जो दाग है उससे ३ इं० नीचे एक दाग दो। ये दोनों दाग पर बटन और काजघर होगा। ऊपरके बटन तक कालरका भांज होगा।

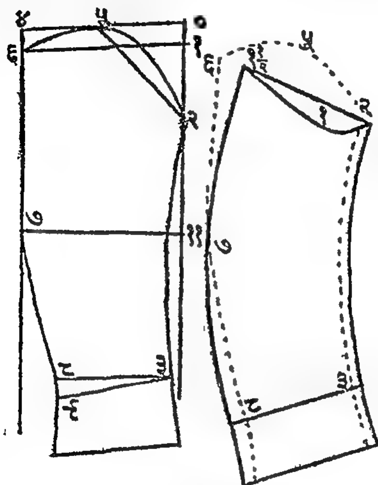
घ रेखाके एक इं० नीचे ६ लगाकर नीचेके बटनके दागसे शेप करके चित्रके ऐसा च, छ तक बनाओ। तब सामनेका ड्राइङ्ग हो जायगा।

कपडा काटनेके वक्त चित्रके बगलमें जो चिन्ह दिया हुआ है उतना कपडा लेकर तब काटो। गलाके बगलमे आधा इं० मोहड़ाके बगलमे आधा इं० और बगल और दामनमे १½ इं० ज्यादा मोडने के लिये कपडा लेना होगा। कटा हुआ कोटका चित्र देखनेसे अच्छी तरहसे समझोगे। यही ज्यादा कपडा मोड-कर भीतर करना चाहिये। क्योंकि जरूरत पड़ने पर यही कपडा निकालकर कोटको बढ़ा सकते हैं। कोट काटकर सीनेके लिये जो सामना और पीछा रक्खा हुआ है उसमे देखनेसे मालूम हो जायगा कि कहाँ पर कितना ज्यादा कपडा रखना होगा।

आस्तीन (Sleeve)

सामना और पीछे काटकर जो कपडा बचता है उसीसे आस्तीन काटना होगा। आस्तीन एक ऊपरका और एक नीचेका

हो जायगा। पहले ऊपरका काटकर तब नीचे काटना होगा। कपड़ाके किनारेसे आधा इं० दूरमें ०, ३ सीधी रेखा खींचो। ० से मोहड़ाके नापसे आधा इंच कम करके ० और ४ रेखा



आस्तीनका चित्र नं० २६

खींचो। ०, ४ रेखाके बीचमें ५ रखकर पांचसे पुट आस्तीनका नाप ३० से पुट ८ बाद देकर जो २२ इं० बच जाता है उसोके

व से च पिछला भाग का ८ से ५ जितना है उसी के दो गुणासे २ इं० कम। अब च और १० एक सीधी रेखा खींचकर जोड दो। इसके बाद च और १० इसके ठीक बीचमे बाहरमे आधा इं० दूर पर एक दाग खींचकर च और १० ठीक चित्रके ऐसा शेप करदो।

६ से २½ इं० नीचे या ६ से १ इं० ऊपर जो दाग है उससे ३ इं० नीचे एक दाग दो। ये दोनों दाग पर बटन और काजघर होगा। ऊपरके बटन तक कालरका भांज होगा।

च रेखाके एक इं० नीचे ६ लगाकर नीचेके बटनके दागसे शेप करके चित्रके ऐसा च, छ तक बनाओ। तब सामनेका डूाइङ्ग हो जायगा।

कपडा काटनेके वक्त चित्रके बगलमे जो चिन्ह दिया हुआ है उतना कपडा लेकर तब काटो। गलाके बगलमे आधा इं० मोहडाके बगलमे आधा इं० और बगल और दामनमे १½ इं० ज्यादा मोडने के लिये कपडा लेना होगा। कटा हुआ कोटका चित्र देखनेसे अच्छी तरहसे समझोगे। यही ज्यादा कपडा मोडकर भीतर करना चाहिये। क्योंकि जरूरत पडने पर यही कपडा निकालकर कोटको बढ़ा सकते हैं। कोट काटकर सीनेके लिये जो सामना और पीछा रक्खा हुआ है उसमे देखनेसे मालूम हो जायगा कि कहां पर कितना ज्यादा कपडा रखना होगा।

आस्तीन (Sleeve)

सामना और पीछे काटकर जो कपडा बचता है उसीसे आस्तीन काटना होगा। आस्तीन एक ऊपरका और एक नीचेका

बनाकर रेखा बना हुआ, नीचेका कपडा इसी लाइनके ऊपर काट डालो। आस्तीन सीनेके समय वही ज्यादा कपडा मोडकर सीना होगा। ऊपरका आस्तीन नीचेके आस्तीन के साथ सिलाई करते समय ऊपरका आस्तीन नीचेके आस्तीनके ऊपर रखकर ७ के ऊपर पकड लो। ६ से नीचेके ऊपर १½ इञ्च दूर पर १½ तक ६ बिन्दु तक खींचनेसे ६ और ७ रेखा जैसा टेढा हो जाता है ठीक वैसा ही ६ और ७ सिलाई करना होगा।

२ और १½ एक सीधी रेखामें जोडकर चित्रके ऐसा १½ और २ को शेप कर इसी रेखाके ऊपरसे काट दो।

दूसरा किनारा जैसा है वैसा ही सीना होगा। दोनों बगलमें जो ज्यादा कपडा है उसको मोडकर सिलाई कर दो। नीचेमे जितना कपडा अधिक है उसको भाज करके भीतरमे सी दो। तब यह आस्तीन तैयार हो जायगा।

अब कोटका सामना, पीछा, फैशन, पाकेट कैसे जोडकर सीना होता है देखो। सीनेमे कुछ कठिनाई है। खूब ध्यानसे उसे देखना चाहिये। शूट और कोट जो कुछ काटना हो पहले उसे कच्चा करके पहना कर देखनेको ट्रायल कहते हैं। इसी समय पर देखना चाहिये कि इसमे कहाँ डिफेक्ट (गलती) है। जितनी त्रुटि हो उस जगह खडिया मिट्टीसे दाग देकर ध्यानसे उस त्रुटि को ठीक करनेका विचार करना चाहिये। बदनमे ज्यादा त्रुटि रहने पर ठीककर लेनेके बाद एक बार फिर ट्राई कर (पहनाकर) देखना चाहिये। जब उसमे कोई त्रुटि न मालूम पड़े तब उसका पक्का सिलाई करना चाहिये।

साथ और १ इं० ज्यादा लेकर अर्थात् २३ इंच लेकर २३ इं
नीचे ३, ८ रेखा खींचो।

३ से सीनाका नाप २६ इं० का ¼ इं०=६ इं० और पौ
इञ्चो एक साथ पौने सात इञ्च दूर पर ८ रक्खो।

८ से पौन इञ्च नीचे दाग देकर ६ लगाओ। ६ और ३ ए
सीधी रेखा खींचकर चित्र के ऐसा जोड दो।

०, और ४ रेखा के १¾ इं० नीचे १ और ६ रेखा खींचो
६ से १ जितना दूर है उससे और १ इं० ज्यादा लेनेसे जितन
होता है, ६ से ठीक उतना ही दूर पर ० और ३ रेखाके ऊपर दा
देकर २ लगाओ ६ और २ एक सीधी रेखा बनाकर खींच दो।

६, ५, और २ ठीक चित्रके ऐसा आधा गोल करके जोड दो
२ और ३ के ठीक बीचसे ११ और ७ रेखा खींचो। ११ से ½ इं
भीतर घुसाकर एक दाग लगाकर ३ और २ थोडासा टेढा करके
चित्रके ऐसा जोड दो।

६, ७, ८ और ६ ठीक चित्रके ऐसा शेप करके जोड देनेसे
आस्तीनके ऊपरका ड्राइङ्ग हो जायगा। आस्तीन काटनेके वक्
जैसा लाइन बनाया हुआ है वैसा ही काटा जायगा।

६ और ३ रेखाके नीचे भीतर मोडनेके लिये २½ इं० कपडा
ज्यादा लेना होगा। अभी ऐसा बना हुआ आस्तीन लाइनके ऊप-
रसे कैंची लेकर आस्तीनके ऊपरका भाग काट दो।

नीचेके आस्तीन काटनेके लिये बगलमें जो कपडा है उसीके
ऊपर आस्तीनका ऊपरका ऐसा रख लो जिसमें आस्तीनका किनार
कपडाके काटे हुये टेढे किनाराके साथ मिल जाय। चित्र देखनेसे
सभी बातोंको पूर्णतया समझ जाओगे।

चित्र देखनेके समय २ और ३ रेखाके बाहरमें आधा इञ्
दूरपर और ६, ७, ८, और ३, २ रेखा १ इञ्च दूर पर बिन्दु

वनाकर रेखा बना हुआ, नीचेका कपडा इसी लाइनके ऊपर काट डालो। आस्तीन सीनेके समय वही ज्यादा कपडा मोडकर सीना होगा। ऊपरका आस्तीन नीचेके आस्तीनके साथ सिलाई करते समय ऊपरका आस्तीन नीचेके आस्तीनके ऊपर रखकर ७ के ऊपर पकड लो। ६ से नीचेके ऊपर १½ इञ्च दूर पर १½ तक ६ बिन्दु तक खींचनेसे ६ और ७ रेखा जैसा टेढा हो जाता है ठीक वैसा ही ६ और ७ सिलाई करना होगा।

२ और १½ एक सीधी रेखामे जोडकर चित्रके ऐसा १½ और २ को शेप कर इसी रेखाके ऊपरसे काट दो।

दूसरा किनारा जैसा है वैसा ही सीना होगा। दोनों बगलमे जो ज्यादा कपडा है उसको मोडकर सिलाई कर दो। नीचेमे जितना कपडा अधिक है उसको भाज करके भीतरमे सी दो। तब यह आस्तीन तैयार हो जायगा।

अब कोटका सामना, पीछा, फैशन, पाकेट कैसे जोडकर सीना होता है देखो। सीनेमे कुछ कठिनाई है। खूब ध्यानसे उसे देखना चाहिये। शूट और कोट जो कुछ काटना हो पहले उसे कच्चा करके पहना कर देखनेको ट्रायल कहते है। इसी समय पर देखना चाहिये कि इसमे कहां डिफेक्ट (गलती) है। जितनी त्रुटि हो उस जगह खडिया मिट्टीसे दाग देकर ध्यानसे उस त्रुटि को ठीक करनेका विचार करना चाहिये। बदनमे ज्यादा त्रुटि रहने पर ठीककर लेनेके बाद एक बार फिर ट्राई कर (पहनाकर) देखना चाहिये। जब उसमे कोई त्रुटि न मालूम पडे तब उसका पक्का सिलाई करना चाहिये।

साथ और १ इं० ज्यादा लेकर अर्थात् २३ इंच लेकर २३ इं
नीचे ३, ८ रेखा खींचो।

३ से सीनाका नाप ३६ इं० का ¼ इं०=६ इं० और पौ
इञ्ची एक साथ पौने सात इञ्च दूर पर ८ रक्खो।

८ से पौन इञ्च नीचे दाग देकर ६ लगाओ। ६ और ३ ए
सीधी रेखा खींचकर चित्र के ऐसा जोड दो।

०, और ४ रेखा के १½ इं० नीचे १ और ६ रेखा खींचो

६ से १ जितना दूर है उससे और १ इं० ज्यादा लेनेसे जित
होता है, ६ से ठीक उतना ही दूर पर ० और ३ रेखाके ऊपर दा
देकर २ लगाओ ६ और २ एक सीधी रेखा बनाकर खींच दो।

६, ५, और २ ठीक चित्रके ऐसा आधा गोल करके जोड दो
२ और ३ के ठीक बीचसे ११ और ७ रेखा खींचो। ११ से ¼ इं
भीतर घुसाकर एक दाग लगाकर ३ और २ थोडासा टेढा कर
चित्रके ऐसा जोड दो।

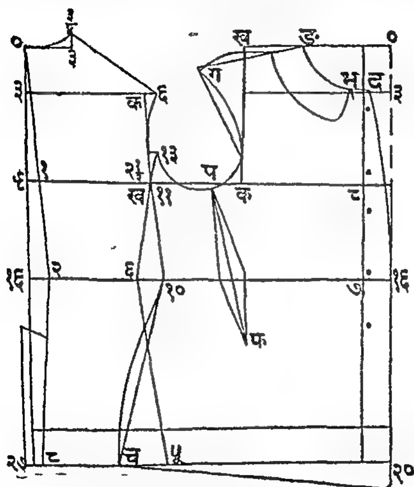
६, ७, ८ और ६ ठीक चित्रके ऐसा शेप करके जोड देनेसे
आस्तीनके ऊपरका ड्राइङ्ग हो जायगा। आस्तीन काटनेके वर
जैसा लाइन बनाया हुआ है वैसा ही काटा जायगा।

६ और ३ रेखाके नीचे भीतर मोडनेके लिये २½ इं० कपड
ज्यादा लेना होगा। अभी जैसा बना हुआ आस्तीन लाइनके ऊप-
रसे कैंची लेकर आस्तीनके ऊपरका भाग काट दो।

नीचेके आस्तीन काटनेके लिये बगलमें जो कपड़ा है उसीके
ऊपर आस्तीनका ऊपरका ऐसा रख लो जिसमें आस्तीनका किनार
कपडाके काटे हुये टेढे किनाराके साथ मिल जाय। चित्र देखनेसे
सभी बातोंको पूर्णतया समझ जाओगे।

चित्र देखनेके समय २ और ३ रेखाके बाहरमें आधा इञ
दूरपर और ६, ५, ८, और ३, २ रेखा १ इञ्च दूर पर बिन्दु

० से पीछा जितना लम्बा है ठीक उसीको बराबर करके ० और २० तक रेखा खींचो। ० से सीनाके नापके रेखा तक



केप कालर कोट का चित्र नं० २८

$\frac{1}{12}$ भाग, तीन इं० दूर पर ३, मोढाका नाप नौ इं० नीचे ८, और सेस्तका नाप सोलह इं० नीचे १६, रखकर रेखा खींचो।

० और १६ से १½ इन्च दूर ८ और ७ रेखा खींचो और

सिलाई होगा। अभी मोढा ६ ए, १३ ख, ग जो फांक मोहरा दिखाई देता है उसके साथ आस्तीन सिलाई करना होगा। अब हमारा सिलाई किया हुआ आस्तीन ६, १, ३ और २ हुआ। इसका ६ और २ ऊपरका भाग मोढाके साथ सिलाई करके १ और ३ का मुँह नीचे रहेगा। आस्तीन जोडनेके समय ६ दाग कोटके पीछामे ए, दागके ऊपर जोड देना चाहिये। २ दाग सामना मे वी दागके साथ जोडो। अब आस्तीनके भीतरका कपडा कोटके मोढा ए, १३, ग और वी के साथ सिलाई करो। उसके बाद आस्तीनका ६ और २ रेखा मोढाका ए, ६, ग, वी रेखाके साथ सिलाई करनेके समय जो अधिक कपडा है उसे थोडा मोडकर सिलाई कर दो। तब आस्तीन तैयार हो जायगा।

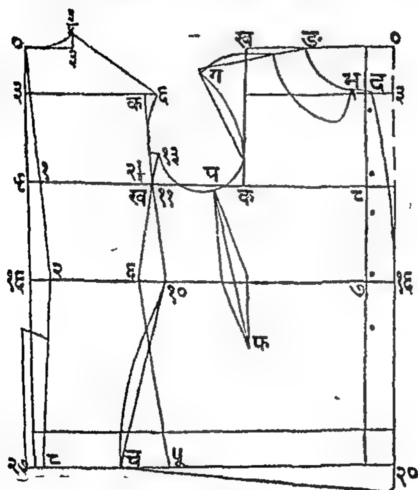
अब कालर बनाना होगा। कोटके आगामे जो दो दाग दिया हुआ है ठीक उसी जगहसे बाँया सामनामे दो काजघर तैयारी करके दाहिना सामनामे दो बटन लगाओ। उसके बाद द, भ, छ रेखाके ऊपर ज, ट और ५ का हिस्सा उल्टा दो।

केप कालर कोट (Cape collar Coat)

केपकालर कोटनेके सीने समय गलाका नाप जरूरी है।

नाप—सेस्त १६, ल० २८, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६ कमर ३२, गला १४। ओपेन ब्रेस्ट कोटका पीछा जिस तरह काटा जाता है ठीक उसी तरह पीछा कटेगा। ओपेन ब्रेस्ट कोट का पीछा बन्द रहता है किन्तु इसका पीछा प्राय खुला रहता है और इसकी लम्बाई कुछ बडी रक्खी जाती है।

० से पीछा जितना लम्बा है ठीक उसीको बराबर करके ० और २० तक रेखा खींचो। ० से सीनाके नापके रेखा तक



केप कालर कोट का चित्र नं० २८

½ भाग, तीन इं० दूर पर ३, मोढाका नाप नौ इं० नीचे ८, और सेस्तका नाप सोलह इं० नीचे १६, रखकर रेखा खींचो।

० और १६ से १½ इञ्च दूर ८ और ७ रेखा खींचो और

सिलाई होगा। अभी मोढा ६ ए, १३ ख, ग जो फांक मोहरा दिखाई देता है उसके साथ आस्तीन सिलाई करना होगा। अब हमारा सिलाई किया हुआ आस्तीन ६, १, ३ और २ हुआ। इसका ६ और २ ऊपरका भाग मोढाके साथ सिलाई करके १ और ३ का मुँह नीचे रहेगा। आस्तीन जोडनेके समय ६ दाग कोटके पीछामे ए, दागके ऊपर जोड देना चाहिये। २ दाग सामना में बी दागके साथ जोडो। अब आस्तीनके भीतरका कपडा कोटके मोढा ए, १३, ग और बी के साथ सिलाई करो। उसके बाद आस्तीनका ६ और २ रेखा मोढाका ए, ६, ग, बी रेखाके साथ सिलाई करनेके समय जो अधिक कपडा है उसे थोडा मोडकर सिलाई कर दो। तब आस्तीन तैयार हो जायगा।

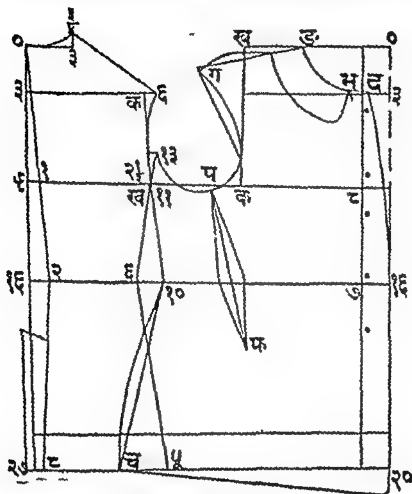
अब कालर बनाना होगा। कोटके आगामे जो दो दाग दिया हुआ है ठीक उसी जगहसे बाँया सामनामे दो काजघर तैयारी करके दाहिना सामनामे दो बटन लगाओ। उसके बाद द, भ, छ रेखाके ऊपर ज, ट और ५ का हिस्सा उल्टा दो।

केप कालर कोट (Cape collar Coat)

केपकालर कोटनेके सीने समय गलाका नाप जरूरी है।

नाप—सेस्त १६, ल० २८, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६ कमर ३२, गला १४। ओपेन ब्रेस्ट कोटका पीछा जिस तरह काटा जाता है ठीक उसी तरह पीछा कटेगा। ओपेन ब्रेस्ट कोट का पीछा बन्द रहता है किन्तु इसका पीछा प्राय खुला रहता है और इसकी लम्बाई कुछ बडी रक्खी जाती है।

० से पीछा जितना लम्बा है ठीक उसीको बराबर करके ० और २० तक रेखा खींचो। ० से सीनाके नापके रेखा तक



केप कालर कोट का चित्र न० २८

$\frac{३}{१२}$ भाग, तीन इं० दूर पर ३, मोढाका नाप नौ इं० नीचे ८, और सेस्तका नाप सोलह इं० नीचे १६, रखकर रेखा खींचो।

० और १६ से $१\frac{१}{२}$ इञ्च दूर ८ और ७ रेखा खींचो और

सिलाई होगा। अभी मोढा ६ ए, १३ ख, ग जो फाँक मोहरा दिखाई देता है उसके साथ आस्तीन सिलाई करना होगा। अब हमारा सिलाई किया हुआ आस्तीन ६, १, ३ और २ हुआ। इसका ६ और २ ऊपरका भाग मोढाके साथ सिलाई करके ६ और ३ का मुँह नीचे रहेगा। आस्तीन जोडनेके समय ६ दाग कोटके पीछामे ए, दागके ऊपर जोड देना चाहिये। २ दाग सामना मे बी दागके साथ जोडो। अब आस्तीनके भीतरका कपडा कोटके मोढा ए, १३, ग और बी के साथ सिलाई करो। उसके बाद आस्तीनका ६ और २ रेखा मोढाका ए, ६, ग, बी रेखाके साथ सिलाई करनेके समय जो अधिक कपडा है उसे थोडा मोडकर सिलाई कर दो। तब आस्तीन तैयार हो जायगा।

अब कालर बनाना होगा। कोटके आगामे जो दो दाग दिया हुआ है ठीक उसी जगहसे बाँया सामनामे दो काजघर तैयारी करके दाहिना सामनामे दो बटन लगाओ। उसके बाद द, भ, छ रेखाके ऊपर ज, ट और ५ का हिस्सा उल्टा दो।

केप कालर कोट (Cape collar Coat)

केपकालर कोटनेके सीने समय गलाका नाप जरूरी है।

नाप—सेस्त १६, ल० २८, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६ कमर ३२, गला १४। ओपेन ब्रेस्ट कोटका पीछा जिस तरह काटा जाता है ठीक उसी तरह पीछा कटेगा। ओपेन ब्रेस्ट कोट का पीछा बन्द रहता है किन्तु इसका पीछा प्राय खुला रहता है और इसकी लम्बाई कुछ बडी रखी जाती है।

१३, ११, १० और च ठीक खुला गला कोटके ऐसा बनाओ। ११ से १३ हुआ २½ इंच ऊपर।

२० से १ इंच नीचे दाग देकर २० और च ठीक चित्रके ऐसा बनाकर मिला दो।

ड से मीनाके नापके जगहसे ३ इंच हटकर दाग दो। इसी दागको केन्द्र मानकर उसी दागसे ड को व्यास मानकर ड और द को गोल रेखा खींचो। यही रेखा गलाका स्थान होगा।

द से १ इंच दूर ड रखकर ठीक ड और द को चित्रके ऐसा मिला दो। अभी तुम्हारे फीताके ऊपर गलाका नाप १४ से १ इंच ज्यादा जो १५ होता है उसी १५ को ऊपरमे रक्खो। उसके बाद पीछा का ०, ¾ रेखा जो ३ इंच रक्खा गया है उस ३ इंच को बाद देकर उस जगह ऊपरसे ड रक्खो और भ, द रेखाके ऊपरसे घुमाकर लाने पर जो ७½ होता है उसके ऊपर दाग देकर द को रक्खो।

द और १६ ठीक चित्रके ऐसा रेखा जोडकर बनाओ। अभी सामनाके ऊपरका हिस्सा द से १६ रेखा तक काटकर हटा दो और ऊपरका हिस्सा ठीक वैसा ही रहेगा।

द से आधा इंच दूर हटकर एक दाग देकर उस जगह भ को रक्खो। यही स्थान दोनो तरफके कालरका अन्तिम जगह होगा। यहाँसे ५ बटन होगा। उस जगह पर कभी हाई कालर या कभी केप कालर लगाया जाता है। इसका सिलाई ठीक खुला गला कोटके ऐसा होता है।

तस्वीरको देखो। ८ से क, और ८ रेखासे ऊपर ख, खुला गला के कोट की तरह ऊपर भाग मे सीनाका नाप ३६ और उसका $\frac{१}{६}$, ६ इंच से एक इञ्च कम पर रक्खो। क और ख को सीधी रेखा खींच कर मिला दो।

ख से सीनाका $\frac{१}{१२}$=($\frac{३६}{१२}$=३) अर्थात् ३ इञ्च हटकर एक दाग दो और उस जगह पर ङ बैठा दो।

क, ख रेखाके ऊपर ख से १ इंच नीचे दाग देकर ङ को उस दागसे इसप्रकार मिलाओ कि यह रेखा पीछाका $\frac{१}{६}$ और-६ रेखासे पाव इंच=$\frac{१}{४}$ इञ्च कम हो। अब ङ और ग को ठीक चित्रके ऐसा मिलाकर बना दो।

८ से ११ तक सीनाके नाप ३६ का आधा १८ इंच, और २$\frac{१}{२}$ इञ्च कुल २०$\frac{१}{२}$ इञ्च पीछाके १ से ख तक जितना है ठीक उतना ही कम। अर्थात् पीछाके १ से ख के सामना भाग के ११ और ८ को जोड कर सब होगा सीनाका $\frac{१}{२}$ और २$\frac{१}{२}$ इञ्च अधिक। मानलो १ से ख तक ७ इञ्च हुआ, अभी सब २०$\frac{१}{२}$ इंचमें से ७ इंच बाद देकर बचेगा १३$\frac{१}{२}$ इंच हि तब ११ से ८ तक १३$\frac{१}{२}$ इं० होगा।

कमरका नाप ठीक इसी हिसाबसे लेना होगा

७ से १० तक कमरका नाप हुआ ३२ का $\frac{१}{२}$=१६ इंच और २$\frac{१}{२}$ इं० सब मिलाकर १८$\frac{१}{२}$ इं हुआ यहांसे पीछाका कमर २ से ६ तक ६ इंच बाद देनेसे १२$\frac{१}{२}$ इं० हुआ, याने ७ से १० तक १२$\frac{१}{२}$ इं० दूर हुआ।

का हिस्सा याद देकर जिस तरह नाप लिया है ठीक उसी तरह लेना चाहिये।

करपुलेन्ट कोटका चित्र न० ३०

कमरका २ और २२ ठीक इसी प्रकार लेना होगा। उसके बाद सेमी करपुलेन्ट कोटके ऐसा प, फ, व और भ काशेप

अब फ को भ के ऊपर हटाकर फ, भ रेखा ब, भ रेखाके ऊपर उठेगा और ११, २ रेखा जिस स्थान पर न, प रेखा है उस जगह उठेगा। अभी ११ और १० रेखाके ऊपरसे देकर काटो। फ, भ, रेखा ब, भ रेखाके साथ सिलाई करो और उस रेखाके ऊपर पैकेट लगाओ जो ऊपरसे दिखाई नहीं पड़े। पहले प, फ कटा हुआ रेखा सिलाई करके फिर फ, भ रेखा ब, भ के साथ सिलाई होगा। उसके बाद पहलेके ऐसा खुला गला कोट के सामनाके ऐसा सिलाई होगा। आस्तीन उसी तरह कटेगा।

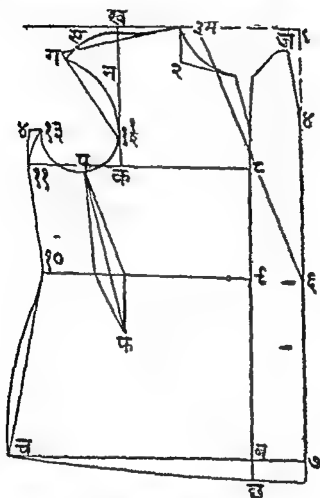
कर पुलेन्ट कोट (Corpulent Coat)

जिस समय किसी मनुष्यके सीनाके नापसे कमरका नाप बड़ा होगा उस समय उस शरीरको करपुलेन्ट कहते हैं। इस कोट के काटने के समय सेमी करपुलेन्ट कोट से जो फर्क है नीचे दिया जाता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा २७, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३८।

० सेस्तके नापके समान १६ इं० दूर हटकर ० और २ रेखा तक खींचो। ० से मोढ़ाका नाप ६ इं० ऊपर हटकर ७ रक्खो। २ से १ इं० हटकर ३ रखकर ०, ३ और १८ रेखा खींचो। उसके बाद ठीक ४, १७, १५ रेखा खींचकर मिला दो। ७ और ३ से १½ इं० हटकर ठीक १७ और ४ रखकर १७, १५ और ४ रेखा खींचो। ० से ५ तक साधारण कोटके सामनाका जिस तरह सीनाका ½ और २½ इं० अधिक लेकर उसके बाद पीछा

इस कोटका बटन दोनों तरफ होगा। और काजघर भी दोनों तरफ दो-दो करके बनेगा। बायाँ भागमें ऊपरके बटनके साथ



डबल ब्रेष्टकोटका चित्र नं० ३१

भीतरमें डबल ब्रेस्ट, वेष्टकोटके ऐसा एक बटन रहेगा। इसी बटनसे भीतर दक्षिण भाग लगाना होगा।

करके बनाओ। अब फ, व रेखासे नीचेमे फ, भ सीधी रेखा खींचो। उसके बाद म से १½ इं० हटकर २० रखकर भ और २० को सीधा रेखा खींच कर अभी म और २० के दोनो रेखा को एक साथ भ से सिलाई करो। यही सिलाई जो पाकीटके नीचे सिलाई होता है १८ से २१ तक च से १० तक जितना है उसका दुगुना। उसके बाद सब साधारण कोटके ऐसा ड्राइङ्ग खींचकर बनालो।

डबल वेस्टकोट (D B Coat)

इस कोटका पीछा भाग ठीक साधारण कोटके ऐसा बनेगा। सामनेमे जो अधिकता है उसे देखो। तस्वीर अच्छी तरह देखने से सब मालूम हो जायगा।

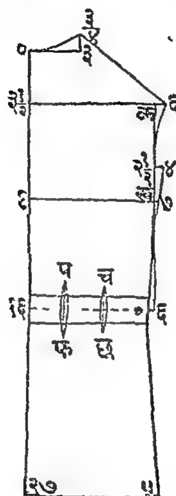
जब हमने साधारण खुला गलाका ड्राइङ्ग किया था तब पहले एक सीधा लाइन खींचकर उससे १½ इं० पर बटनके लिये दूसरी लाइन भीतरमे बनाकर उसीसे नाप लिया था। परन्तु अभी पहले रेखासे ३ इं० दूर पर भीतरमे वैसी ही एक रेखा खींचकर उसीसे नाप लोगे। सब नाप साधारण कोटके ऐसा लेकर चित्र बनाना होगा।

१ से ७ रेखा पीछाके लम्बाके बराबर खींचों।

इसी रेखासे ३ इं० भीतरमे ८, ६ रेखा खींचो। ऊपरके ० से ६ इं० नीचे ८ मोढाका चिह्न दो। ऊपर ६ सेस्त के नाप से १६ इं० नीचे सेस्तका चिह्न दो। अभी जो कुछ करना है ठीक साधारण कोटके ऐसा चित्र बनानेसे डबल वेस्टकोटका चित्र बन जायगा।

सामना रेखाका ६ बिन्दुसे ५½ इं० दूरपर दो बटन लगेगा।

३ से ३/४ इं० ऊपर रखकर ० और ३/४ को मिला दो। इसके पुटका नाप पहलेके कोटके पीछाके ऐसा बनेगा ६ से ऊपर



गल्फकोटकाचित्र नं० ३२

का भाग ठीक साधारण कोटके ऐसा बनाओ। क, ख रेखा सेल्स के रेखासे ६ तक लो। ६ से १ इं० भीतरसे दाग देकर ४

ब्लेजर कोट (Blazer Coat)

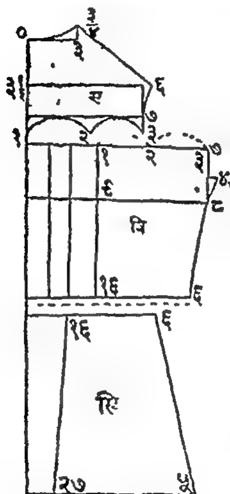
यह कोट ठीक साधारण कोटके ऐसा ड्राइंग करके काटना होगा यह टेनिश या क्रिकेट या खेलनेके समय पहना जाता है। यह कोट अक्सर नीला (Blue) या भूरा (Brown flanel) कपडसे तैयारी होता है। यह कोट डबल ब्रेस्ट और सिंगल ब्रेस्ट दोनों किस्मका तैयारी हो सकता है। इस कोटमे अस्तर नहीं दिया जाता क्योंकि यह कोट बहुत हल्का होना चाहिये। इसमे ऊपरसे पाकीट लगता है और इसके आस्तीनमे अस्तर देना होता है। इस कोट मे पीतलका बटन लगता है कभी-कभी इस कोट के सामनामे दामनमे और आस्तीनके मोहरीमे सूता के ऐसा कर्ड दिया जाता है।

गल्फ कोट (Golf Coat)

अब जो गल्फ कोटका वर्णन होगा यह कोट आजकल अधिक चलता है। पुराना गल्फ कोटसे इसमे अधिक फर्क है। इसके पीछेका एक ही कपडा होता है। इसके पीछामे कोई जोड सिलाई नहीं होता। एक अलग कपडासे पीछा काटना होगा।

० से २७ रेसा कपडाके बीचकी जगह इसके लम्बाईसे ½ इञ्च अधिक लेना होगा। ० से ३½ सीनाके नापसे $\frac{1}{12}$ अर्थात् ३ इ० नीचे। ० से ६ मोढाका नाप ६ इ० नीचे। ० से १६ सेस्तका नाप १६ इं० नीचे। ० से सीनाका $\frac{1}{12}$ अर्थात् ३ इं० हटकर ३ रक्खो।

ऐसा होगा। उससे बाद ० ३१/२, १, २, ३, ३/४ ये सब देखोगे। अब देखना होगा कि पीछे कितना प्लेट होगा। अगर पीछे



पुराना फैशन गल्फ कोटका चित्र न० ३१

एक प्लेट होगा तब ५ इञ्च से नीचे १ रखकर १ और २ को

और उस दाग को चित्रके ऐसा जोड दो। २७ से १½ इं० हट कर ५ रखकर ४, ५, ६ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो।

१६ से ६ तक ठीक इसका तीसरा हिस्सा अलग करके बीच का ⅓ भाग चित्रके ऐसा २ टेकिन लगाओ। टेकिन १ इं० चौडा और ३ इं० लम्बा रहेगा। इसका ३ इं० सेस्त के ऊपर और ३ इं० सेस्त से नीचे रहेगा। सिलाई करने के समय सभी टेकिन और बीच के रेखा को पकड कर टेढी रेखा के ऊपर सिलाई होगा।

पहले प, फ और च, छ रेखा के ऊपर भांज करके पास के टेढी रेखा के ऊपर सिलाई कर दो। इसके बाद पीछा को कमर के बराबर करके २ इं० चौडा उसी कपडाका एक वेल्ट तैयार करके उसके बाद पीछा का कमर के बराबर करके ठीक सेस्तके ऊपर बैठाओ ताकि वेल्ट का चौडा ठीक बीच मे १६ और १ रेखा के ऊपर रहे। इसी वेल्ट के दोनों तरफ आखीर मे एक एक बटन लगेगा। इसका सामना ठीक साधारण खुला गला कोट के ऐसा बनेगा।

पुराना फैसन गल्फ कोट (Golf coat old style)

इस कोट का सामना ठीक साधारण कोट के ऐसा होगा। पीछा का तीन टुकडा काटना होगा। ऊपर के दोनों टुकडा के बीच मे कुछ सिलाई नहीं होगा। सलग कपडा रहेगा। अभी सबसे पहले पीछा का दिखलाते हैं।

इसके हिस्सा करने मे ० से ३½ सीना का $\frac{1}{12}$ या ३ इं० नीचे। ० से १, पांच इं० नीचे। ऊपर का हिस्सा ठीक कोट के

इस प्रकार रक्खो जो उसका-१, बी हिस्सा १ ए के ऊपर और ३ ठीक ३ के ऊपर रहेगा। १, ७ रेखा के ऊपर ३/४ इं० कपडा बेशी रखना होगा। अब फीता लेकर नापने से देखा जायगा कि ० से १६ ठीक १६ इं० नीचे है।

० से ६ इं० नीचे मोढा का दाग ६ रक्खो। पहिले कोट जिस प्रकार बनाया है ठीक उसी तरह ड्राइङ्ग करो। तब चित्र मे देखोगे ६, १६, १, ३, ७ इसकी तरह ड्राइङ्ग किया हुआ है। अब १६, और ६ रेखा के नीचे ३/४ इं० अधिक कपडा रखकर काटना होगा। उसके बाद सी हिस्सा काटना होगा। यही भाग काटने के समय जो आगे से पीछा के ऊपर में ए, बी दो हिस्सा काटा हुआ है उसके ठीक पीछे होकर सो हिस्सा काटना होगा। पहले किनारा से २ इं हटकर १६ और २७ रेखा खींचो।

१८ से २७ होगा सेस्त का नापसे लम्बाई का बाकी हिस्सा।

१६ से ६ होगा बी हिस्सा का १६ से ६ जितना रक्खा हुआ है अर्थात् सीना के नाप का ३/४ याने ६ इं०। २७ से साधारण कोटके नियम के ऐसा १६ से ६ जितना है उससे और १३/४ इं० अधिक हट कर ५ रक्खो।

६ और ५ ठीक चित्र के ऐसा जोड करके २७ और ५ रेखा के नीचे १३/४ इं० अधिक कपडा रखकर काट देना होगा।

यह कोट अब किस तरह सिलाई किया जायगा उसे देखो। पहले ए और बी हिस्सा दोनों को खोल कर देखो ए हिस्सा के नीचे र के तरफ तीन ब्राइकेटके ऐसा कोग झुका है। इसी तीनों

टेढा रेखा करके जोड दो अगर पीछे तीन प्लेट रहेगा तब १, २, ३ ठीक चित्र के ऐसा टेढ़ा करके शेष करो।

७ रेखा से १, २ और ३ एक इञ्च नीचे। ए भाग काटने के समय १, २, ३ इसके नीचे ३ इञ्च परिमाण का कपड़ा रखकर काटना चाहिये। ऊपर का हिस्सा ठीक कोट के ऐसा काटो। उसके बाद बी का हिस्सा काटोगे।

बी टुकडा काटने के समय ख्याल रहे पूरा लम्बाके नाप से ५ इं० तक कटा हुआ है। अभी सेरत के नाप से इतना कम करके काटना होगा।

इसी भाग को काटने के समय पहले देखना चाहिये कि पीछे मे कितना प्लेट होगा। जितना प्लेट होगा सब प्लेट के वास्ते चित्र मे जैसा दाग दिया है वैसा ही २ इञ्च कपडा रखकर तब ड्राइङ्ग करना होगा।

ऊपर का ए भाग सिर्फ ५ इञ्च हुआ। अभी सेरत का नाप १६ इञ्च से ५ इञ्च ऊपर टुकडा बाद करने से जितना शेष रहेगा उतना ही कमर तक काटना होगा। जैसा कि हमलोगों ने "ए" टुकडा काटा है उसमें ३ प्लेट की जगह रक्खा है। अभी हरएक टुकडा काटने मे एक एक के वास्ते २ इञ्च कपडा कुल ६ इं० कपडा रखकर तब ड्राइङ्ग करना होगा। ऊपर जितना लिखा गया है चित्र मे देखने से अच्छी तरह समझ जाओगे।

६ इञ्च कपडा रखकर १, ६ और १६ रेखा खींचो। १ से १, ९ रेखा खींचकर ऊपर मे ए हिस्सा ठीक इसी रेखा के ऊपर

इस प्रकार रक्खो जो उसका-१, वी हिस्सा १ ए के ऊपर और ३ ठीक ३ के ऊपर रहेगा। १, ७ रेखा के ऊपर ½ इ० करड़ा वेशी रखना होगा। अब फीता लेकर नापने से देखा जायगा कि ० से १½ ठीक १६ इ० नीचे है।

० से ६ इं० नीचे मोढ़ा का दाग ६ रक्खो। पहिले कोट जिस प्रकार बनाया है ठीक उसी तरह ड्राइङ्ग करो। तब चित्र मे देखोगे ६, १६, १, ३, ७ इसकी तरह ड्राइङ्ग किया हुआ है। अब १६, और ६ रेखा के नीचे ½ इ० अधिक [illegible] काटना होगा। उसके बाद सी हिस्सा काटना [illegible] काटने के समय जो आगे से पीठा के ऊपर [illegible] काटा हुआ है उसके ठीक पीछे [illegible] पहले किनारा से [illegible]

१६ से [illegible]

१६ से [illegible] वी हिस्सा का [illegible] है अर्थात् [illegible] नार का [illegible] कोटके [illegible] के ऐसा [illegible] अधिक हट कर ५ रक्खो।

६ और ५ ठीक चित्र के रेखा जोड़ [illegible] के नीचे १½ इ० अधिक करड़ा रखकर [illegible]

यह कोट अब किस तरह सिलाई किया जाता [illegible] पहले ए और बी हिस्सा दोनों [illegible] नीचे र के तरफ तीन आइकटके [illegible]

ज्यादा लेकर ३ से उतना दूर पर ११ रखकर ३ और ११ जोड़ दो। १० से ३ या ४ इं० नीचे पाकेट का निशान लगाकर ६ इं० बगल पाकेट का मुंह बनाकर पतलून के पाकेट के ऐसा पाकेट तैयार कर लो।

ड्रेस कोट

यह कोट शाम को डिनर पार्टी (Ball dancing) में जाने के पहिले पहिना जाता है।

यह पोशाक काले कपड़े से तैयार किया जाता है, जिसको अंग्रेजी में टेल्डकोट (Taild coat) कहते हैं।

इस कोट के काटने की विधि नीचे दी जाती है।

नाप	सेस्त	१७॥	इं०
,,	लम्बाई	४१	इं०
,,	पुट	८॥	इं०
,,	बाँह	३२	इं०
,,	सीना	४०	इं०
,,	कमर	३५	इं०

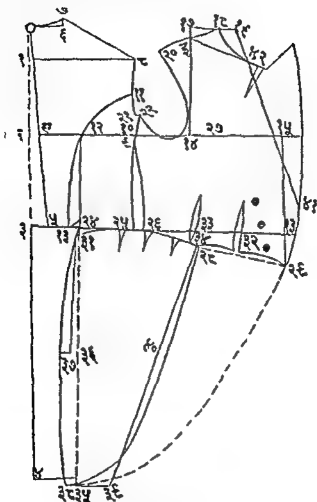
पहिले ० से एक सीधी रेखा खींचना फिर ० से चार रेखा लम्बाई ४१ के बराबर खींचना।

० से	१	२॥	इं०
७ से	०	६॥	इं०

३ से ० सेस्त का नाप १७॥ और आधा इं० अधिक।

० और ५ चित्रानुसार जोडना

० से ६ तीन इं० दूरी पर



ड्रेश कोट चित्र नं० ३५

६ से ७ एक इं० दूरी पर

५ से ३ एक इं० दूरी पर ० और ७ चित्रानुसार जोडना।

मॉरनिङ्ग कोट

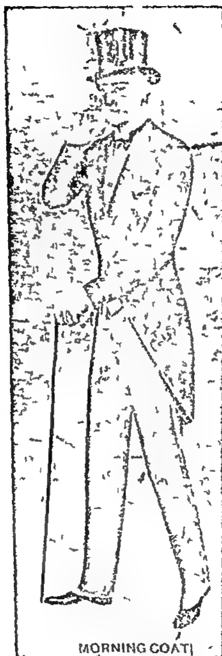
इस कोट को भी ड्रेश कोट के अनुसार काले कपड़े से बनाया जाता है।

मौरनिंग कोट तथा ड्रेश कोट से इतना ही फरक है कि मौरनिंग कोट का इस्काट ३१ तथा २६, ३६, ३८ के सामान होगा। यह कोट सुबह पहिना जाता है।

ड्रेश कोट का चित्र देख लो। इस स्काट की बात जो लिखी गई वह बिन्दुओं से अंकित किया हुआ है।

चपकन (Chap kan)

मुस्लिम राज्य के समय हमारे देश मे चोंगा और चपकन का प्रचार हुआ। अभी भी व्यवहार किया जाता है किन्तु उतना नहीं। किसी समय कानूनी काम करने वाले चोंगा, चपकन का व्यवहार करते थे इसी से हमलोगो को भी इस पोशाक की जरूरत थी। यह पोशाक शरीर मे फिट न होने से सुन्दर नहीं मालूम पडता। इसको शरीर मे ठीक फिट करने मे कुछ कठिनाई है।



मार्निंग कोट



ड्रेस सूट

नाप—सेस्त १४, ल० ४०, पु० ८ अ० ३०, सीना ३६, कमर ३०, गला १४। छोटा अर्जका कपडा होने से चौडा का आधा भांज करके काटना होगा। यदि डवल अर्जका कपडा रहेगा तो सलग किनारा से पीछे काटा जायगा।

पीछा भाग

० से लम्बाई मे एक इञ्च अधिक कपडा जोडकर तब उस जगह ४० रक्खो।

० से सीना का १/१२ अर्थात् ३ इञ्च से ½ इञ्च दूर पर २½ रक्खो।

० से आधा इञ्च नीचे ½ रखकर ½ और २½ ठीक चित्र के ऐसा जोड दो। इसके गले मे कोई कालर नहीं होता, ठीक पजावी (कुर्त्ता) के ऐसा होता है।

० से सीना का १/१२ या ३ इञ्च हटकर ३ रक्खो।

० से पुट ८ इञ्च और आधा इं ज्यादा ८½ इञ्च दूर पर ८½ रक्खो। २½ और ८½ ठीक चित्र के ऐसा सीधा रेखा खींचकर मिला दो। ८½ से ½ इञ्च ठीक भीतर मे कोट के ऐसा क, ख रक्खो। ० से ६ इञ्च नीचे मोढा का दाग देकर ६ रक्खो।

० से सेस्त के नाप के ऐसा हटकर १४ रक्खो।

६ से सीना का ¼ या ६ इञ्च दूर ८ पर रक्खो।

१४ से कमर का चौथाई या ८ इञ्च हटकर दाग दो।

४५ से सीना के नाप का आधा मे से ४ इञ्च कम करके अर्थात् सीना के नाप से ८ इ० कम करके उसका आधा जितना

वह एक भाग रहेगा। सेरत से नीचो जो कपडा काटा जाता है उसको सामने का पर्दा बोलते हैं। उसके नीचे ठीक उतना ही वडा कपडा रहता है उसको भीतर का पर्दा बोलते हैं। भीतर का कपडा ऊपर के कपडा से कुछ छोटा रहने पर कोई खराबी नहीं मालूम होती। कपडा के सुविधा के लिये यह प्राय छोटा ही रक्खा जाता है।

१ से तेरह तक सेरत के ऐसा लम्बा।

१ से ३ सीना का $\frac{१}{१२}$ का एक भाग दूर।

१ से १२ मोढा के विन्दु से ६ इन्च नीचे।

१२ से वो और १ से ७ सीना के चौथाई से १ इन्च कम दूर पर ७ से ३ एक इन्च नीचे रहेगा। ७ से ५ सीना का $\frac{१}{१२}$ अर्थात् ३ इन्च और १ इन्च अधिक ४ इन्च दूर पर। ५ से ४ पीछा भाग मे ८$\frac{१}{२}$ और २$\frac{१}{२}$ जितना है उससे पाव इं० कम।

५ और ३ जिस तरह केप कालर कोट का गला ड्राइंग हुआ है ठीक उमी तरह होगा। ख्याल रखना होगा कि ३, ५ गला और पीछा का $\frac{१}{२}$ और २$\frac{१}{२}$ रेखा नाप कर ठीक गला का नाप १४ से आधा इन्च वेसी होगा।

४, ७ और १३ ठीक चित्र के ऐसा करोगे। काटने के समय इस रेखा से आधा इंच अधिक काटना होगा।

१२ से सीना का चौथा और १$\frac{१}{२}$ इं० अधिक अर्थात् १०$\frac{१}{२}$ इंच दूर पर ८ रक्खो १३ से कमर का चौथाई भागका एक भाग और १$\frac{१}{२}$ इंच अधिक कुल साढे नौ इन्च दूर पर १० रख कर

८ और ० चित्र के ऐसा वनाओ। ४, ⅓ और ८ ठीक कोट के मोढा के ऐसा शेपकर दो। काटने के समय ८ और १० रेखा के पास १½ इञ्च और १०, १३ रेखा के नीचे ½ इञ्च अधिक कपडा रखकर काटो।

१३ से सेस्त का नाप १४ इञ्च वाद देकर लम्बाई का बाकी हिस्सा लेकर नीचे मे ४१ रक्खो। ४० से सीना के नाप से ४ इञ्च कम करके उसका आधा जितना होता है उस जगह १४ रक्खो।

१३ से कमर का चौथाई और १½ इञ्च, कुल ६½ इञ्च दूर पर १० रक्खो। १० और १४ ठीक चित्र के ऐसा जोड दो। यह पहले ही वतला चुके हैं कि इसमे दो तह कपडा होता है जिसमे एक तह कुछ-छोटा रहने पर भी कुछ खराबी नहीं करेगा। इसमे दामन मे और बगल मे १½ इञ्च अधिक कपडा रखकर काटना होगा।

पहले ऊपर के काटे हुए हिस्से को विछा कर देखोगे दो खण्ड हो गया है। इसका सेस्त का जगह १३ दाग दोनो को इकट्ठा करके ठीक से विछाओ। देखो जिस जगह परदा काट कर विछायेहो ठीक उस जगह एक फाँक दिखलाई देगा। इसको उस फाँक से लम्बा १ इञ्च चौडा ४ इञ्च वडा और उस जगह परदा जोडकर सिलाई करना होगा। इसी परदा के बाँयें भाग के कपडा के साथ सिलाई करना होगा और इसके दाहिना भाग मे वटन लगाकर और दाहिना भाग के ऊपर के हिस्सा मे काज-घर तैयारी करना होगा।

वह एक भाग रहेगा। सेस्त से नीचा जो कपडा काटा जाता है उसको सामने का पर्दा बोलते हैं। उसके नीचे ठीक उतना ही बडा कपडा रहता है उसको भीतर का पर्दा बोलते हैं। भीतर का कपडा ऊपर के कपडा से कुछ छोटा रहने पर कोई खराबी नहीं मालूम होती। कपडा के सुविधा के लिये यह प्राय छोटा ही रक्खा जाता है।

१ से तेरह तक सेस्त के ऐसा लम्बा।

१ से ३ सीना का १/१२ का एक भाग दूर।

१ से १२ मोढा के बिन्दु से ६ इञ्च नीचे।

१२ से घो और १ से ७ सीना के चौथाई से १ इञ्च कम दूर पर ७ से ३ एक इञ्च नीचे रहेगा। ७ से ५ सीना का १/१२ अर्थात् ३ इञ्च और १ इंच अधिक ४ इञ्च दूर पर। ५ से ४ पीछा भाग मे ८½ और २½ जितना है उससे पाव इं० कम।

५ और ३ जिस तरह केप कालर कोट का गला ड्राइंग हुआ है ठीक उसी तरह होगा। ख्याल रखना होगा कि ३, ५ गला और पीछा का ½ और २½ रेखा नाप कर ठीक गला का नाप १४ से आधा इञ्च बेसी होगा।

४, ७ और १३ ठीक चित्र के ऐसा करोगे। काटने के समय इस रेखा से आधा इंच अधिक काटना होगा।

१२ से सीना का चौथा और १½ इं० अधिक अर्थात् १०½ इंच दूर पर ८ रक्खो १३ से कमर का चौथाई भागका एक भाग और १½ इंच अधिक कुछ साढे नौ इञ्च दूर पर १० रख कर

८ और ० चित्र के ऐसा बनाओ। ४, १३ और ८ ठीक कोट के मोढा के ऐसा शेपकर दो। काटने के समय ८ और १० रेखा के पास १½ इञ्च और १०, १३ रेखा के नीचे ½ इञ्च अधिक कपडा रखकर काटो।

१३ से सेस्त का नाप १४ इंच बाद देकर लम्बाई का बाकी हिस्सा लेकर नीचे मे ४१ रक्खो। ४० से सीना के नाप से ४ इञ्च कम करके उसका आधा जितना होता है उस जगह १४ रक्खो।

१३ से कमर का चौथाई और १½ इञ्च, कुल ६½ इञ्च दूर पर १० रक्खो। १० और १४ ठीक चित्र के ऐसा जोड दो। यह पहले ही बतला चुके हैं कि इसमे दो तह कपडा होता है जिसमे एक तह कुछ-छोटा रहने पर भी कुछ खराबी नहीं करेगा। इसमे दामन मे और बगल मे १½ इञ्च अधिक कपडा रखकर कटना होगा।

पहले ऊपर के काटे हुए हिस्से को बिछा कर देखोगे दो खण्ड हो गया है। इसका सेस्त का जगह १३ दाग दोनों को इकट्ठा करके ठीक से बिछाओ। देखो जिस जगह परदा काट कर बिछायेहो ठीक उस जगह एक फाँक दिखलाई देगा। इसको उस फाँक से लम्बा १ इञ्च चौडा ४ इंच बडा और उस जगह परदा जोडकर सिलाई करना होगा। इसी परदा के बाँयें भाग के कपडा के साथ सिलाई करना होगा और इसके दाहिना भाग मे बटन लगाकर और दाहिना भाग के ऊपर के हिस्सा मे काज-घर तैयारी करना होगा।

बाया खण्ड के साथ नीचे का कपडा सिला रहेगा औ
दाहिना मे ऊपर के हिस्सा में सिलाई रहेगा। इस परदेका जं
कोण बाँया भाग के साथ मिला रहेगा या इसमे एक काजघ
रहेगा और बांया तरफ एक बटन लगाना होगा। इसमे बगल
मे कुर्त्ताके ऐसा पाकिट रहेगा। चित्र को अच्छी तरह देखोगे।

चोगा (Choga)

जो लोग चपकन पहनते हैं वे चोगा भी व्यवहार करते हैं
इसमें कोई बटन नहीं होता है। किन्तु इसके सामना भाग मे
दो दो करके चार फूल देना पडता है। यह चपकन से १ इंच
लम्बा अधिक होगा। इसके पीछे का हिस्सा चपकन के ऐसा
काटा जायगा। किन्तु इसमे कुछ फर्क है। चपकन का पीछा
काटने के समय सीना और कमर का चौथाई लिया जाता है।
किन्तु चोगा के पीछा काटने मे सीना और कमर के चौथाई से
१ इंच अधिक लेकर काटा जाता है। चपकन के पीछा को
लेकर देखने से इसका भेद मालूम हो हो जायगा, पीछा नहीं
देखकर सामना भी देख सकते हो।

नापः—सेस्त १४, ल० ४०, पु० अ० ३०, सीना ३६
कमर ३२।

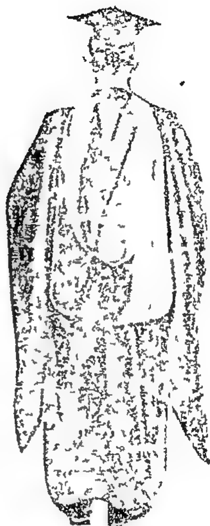
० से ४२ लम्बाई के नाप से १ इं० अधिक।

० से ६ मोढ़ा का नाप।

० से १४ ठीक सेस्त का नाप १४ इंच नीचे।

० और ६ से क, ख रेखा सीना का नाप ३६ और इसका
चौथाई ६ इं० से १ इं० कम ८ इं० दूर पर। ख से ३ सीना
का $\frac{1}{12}$ या ३ इंच दूर पर। ख से ए कोट के ऐसा १ इं० नीचे।





(सामना)   चोगा   (पीछा)



३ और ५ रेखा ठीक कोट के ऐसा उसी नियम से होगा।
से ११ सीना का ½ और २ इं० अधिक, ११ इं० दूर पर।



चोगा का चित्र नं० ३७

४ से १० कमर का ½ और १½ इं० अर्थात् ६½ इं० दूर पर।
२ से सीना के नाप से २ इं० कम करके उसका आधा १७
० दूर पर दाग दो।

अब चित्र के ऐसा जोड दो। वेष्ट कोट का गला जिस तरह तैयार किया गया है ठीक उसी हिसाब से गला तैयार करो। चित्र में जिस तरह दो बटन का जो दाग दिया हुआ है उसके पीछे या सामना मे दो-दो करके ४ फूल वैठाओ। इसके काटने के समय सामने और दामन मे १½ दबाव लेकर तब काटना चाहिये। इसमे पाकीट नहीं होता। लेकिन चपकन के हिसाब से दोनों तरफ दो पाकीट का मुख खुला रखना चाहिये। ताकि इसके मुख के भीतर मे चपकन के ऐसा पाकीट मे हाथ दिया जाय। इसके गला मे कालर नहीं होता।

पहले किसी किसी मे रोल कालर होता था।

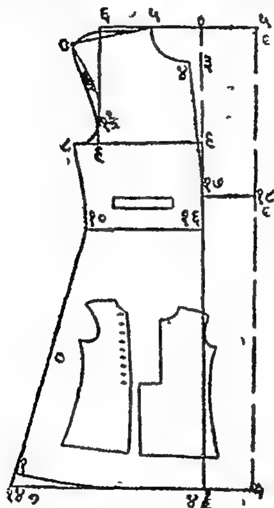
अचकन या शेरवानी

इसका पीछा ठीक चपकन के ऐसा उसी हिसाब से काटा जाता है। इसके सामाने मे जो फर्क है वह लिखा जाता है। लम्बा ठीक चपकन के ऐसा नीचे तक होता है। कुछ लोग और भी लम्बा अचकन पहनते हैं। इसमे प्राय बन्द लगा होता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ४०, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२, गला १४। कपडा के किनारा मे लम्बाई से १ इं० अधिक कपडा लेकर ४० से ४१ रेखा खींचो। ख्याल रखना चाहिये कि इसका पीछा का भाग सलग कपडा होना चाहिये। इसी रेखा से ५ इं० हट कर भीतर मे इसी रेखा के सामने ० और ४१ रेखा खींचो।

० से ६ इञ्च नीचे मोढा का बिन्दु ६ और सेस्त का नाप १६ इं० नीचे १६ रक्खो।

० और ६ से सीना का नाप ३६ और उसका चौथाई ६ इं० से १ इं० कम अर्थात् ८ इं० करके ६, ६ रेखा खींचो।



अचकन का चित्र न० ३८

६ से सीना के नाप का ३६ का १/१२, ३ इं० और १ इं० कुल ४ इंच दूर पर ५ रक्खो। -

३, ४, ५ रेखा वन्द गला कोट के ऐसा बनाना होगा। इसके गले का नाप भी ठीक वैसा ही होगा। ६ से सीना का नाप ३६ और उसका ¼ और १½ इं० जोड़कर १०½ इं० दूर पर रक्खो। अब ८ और ६ रेखा के ऊपर का हिस्सा ठीक चपकन के सामना के ऐसा होगा।

१६ से १० कमर का नाप ३२ और उसका चौथाई ८ इंच और १½ इं० कुल ६½ इं० दूर पर। ४१ से १४ सीना का आधा १८ से १ इं० कम १७ इं० दूर पर १ इं० ऊपर मे। अब चित्र के ऐसा जोड़ दो। काटने के समय सामने और दामन के नीचे १½ इञ्च मोडने का कपड़ा रखकर तब काटना चाहिये।

केप काललर कोट के ऐसा जिस तरफ काज घर होता है उसी भाग मे ४, १७ और ४१ रेखा ऊपर से काटना चाहिये। और जिस खण्ड में बटन रहता है उसमे ३, ६, १७ बिन्दू के ऐसा रेखा देकर तब काटना चाहिये। चपकनके ऐसा दोनो तरफ दो पाकीट होगा सामना भाग के चित्र मे जो दाग किया हुआ है उसी स्थान मे जिस तरफ बटन रहता है उस भाग मे एक पाकीट रहता है।

सभ्य मुसलमान लोग बाँया तरफ बटन व्यवहार करते हैं। और हिन्दू लोग दाहिना के तरफ बटन का व्यवहार करते हैं। इसमे अधिक तर हाई कालर लगता है और कालर में दो हुक लगा रहता है।

चेष्टरफिल्ड (Chestei field)

साधारण कोट से चेष्टर फिल्ड कुछ अधिक ढीला और

चेष्टरफिल्ड से अलेस्टर और भी ढीला रहता है। ये दोनों चीज कोट के ऊपर से पहना जाता है और कभी-कभी कोट नहीं पहन कर सिर्फ इसी को पहन लेते हैं।

इसी वजह से चेष्टरफिल्ड में कुछ अच्छा शेप बनाया जाता है। ताकि इसमें सौन्दर्य के सिवा कोई त्रुटि न रह जाय।

साधारण कोट के मोढ़ा से चेष्टरफिल्ड और अलेष्टर का मोढा आधा इं० अधिक रहता है और तब काटा जाता है। इसका पुट साधारण कोट के पुट के नाप से आधा इं० अधिक रखना होता है। चेष्टरफिल्ड की लम्बाई घुटना से ५ या ६ इं० नीचे रहती है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ४२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२।

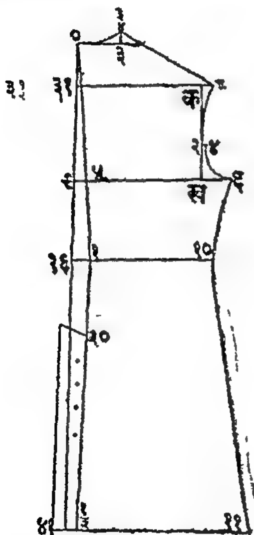
पीछा भाग

० से ४१ लम्बा से १ इ० अधिक लेकर ० और ४१ रेखा खींचों।

० से ३ सीनाका १/१२ और ½ इं० अधिक अर्थात् ३½ इं०
३ से ३/४=पौन इं० ऊपर। ० से ३½ इं० सीना का १/१२ भाग नीचे। ० से ६ साधारण मोढा का नाप ६ इं० से ½ इं० अधिक अर्थात् ६½ इं० नीचे। ० से १६ सेस्तका नाप १६ इं० नीचे।

१६ से १, १½ इ० और ४१ से ½ एक इं० दूर पर रख कर ०, १, ½ चित्र के ऐसा जोड़ दो। ० से पुटका नाप ८ इ० और ½ इं० कुल ८½ इ० लेकर ३½ रेखा के ऊपर जहाँ तक जायगा वहाँ पर ८ रक्खो। ८ और ३/४ चित्र के ऐसा जोड दो।

८ से ½ इं० भीतर में क, ख रेखा खींच कर ८ और क, ख रेखा चित्र के ऐसा जोड दो।



चेष्टर का पीछा भाग चित्र नं० ३९

ख से २½ इं० ऊपर २ रखकर उससे पाव इं० बाहर में ... लगाओ।

पाँच से सीना का चौथाई ९ इं० से १ इं० कम ८ इं० दूर पर ६ का दाग दो। ९ और ४ ठीक चित्र के ऐसा जोड दो।

१ से सीना का $\frac{1}{4}$=६ इं० और $\frac{3}{4}$ इं० अधिक, सब जोड कर पौने सात इं० दूर पर १० रक्खो। $\frac{1}{2}$ से ११ तक कमर का नाप हुआ, पौने सात इं० से २ इं० अधिक दुरी पर। अभी ६, १०, ११ ठीक चित्र के ऐसा जोड देने से पीछा हो गया। पीछा के $\frac{1}{2}$ से २० तक खुला रहेगा और २० से ८ इं० दूरी तक बटन लगा दोगे।

काटने के समय ठीक साधारण कोट के पीछा के ऐसा सीने के लिये दबाव का कपडा रख कर तब काटोगे।

सामना भाग

० से पीछा के लम्बा के बराबर ० और ४ रेखा खींचो। ० और ४ रेखा से २ इं० बाहर मे ६ और ३ रेखा खींचो। ० से ५ तक सेस्त का चिन्ह।

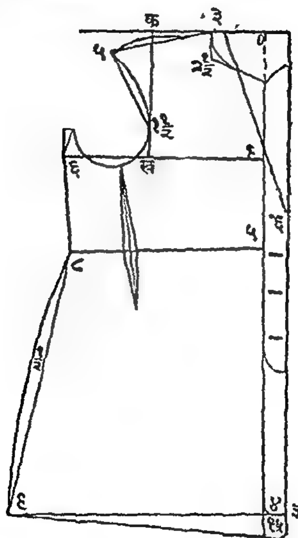
९ से ६ सीनाका $\frac{1}{4}$ और ३$\frac{1}{2}$ इं० अधिक से पीछाका ५ से ६ जितनी दूरी पर है ठीक उसी जगह पर होगा।

५ से ८ हुआ कमर का आधा और ३$\frac{1}{2}$ इं० अधिक से पीछा के कमर के १ से १० जितना दूर है ठीक उतना ही कम।

४ से ९ हुआ पीछा के $\frac{1}{2}$ से ११ भाग अधिक। ९ और ० से क, ख रेखा सीना के चौथाई से १ इं० कम दूर पर।

९ और ६ रेखा के ऊपर ठीक साधारण कोट के ऐसा बनेगा। चेष्टर फिल्ड में चार बटन होता है। ६ से १२ इं० दूर तक बटन रहेगा। इसका बटन ऊपर दिखलाई नहीं पडता।

जिस तरह पैंट में फ्लाइ बटन होता है उसी तरह होगा। काटने

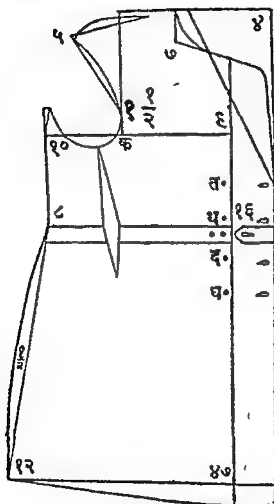


चेष्टर के सामने भाग का चित्र न० ४०

के समय कोट के ऐसा कपड़ा लेकर तब काटा जायगा। यही हुआ सिंगल ब्रेष्ट चेष्टरफिल्ड।

ओभर कोट

ओभर कोट अलेस्टर चेस्टर फिल्डसे अधिक लम्बा होता है।



ओभर कोट का सामना भाग चित्र नं० ४१

यह पाँव के नीचेसे ५-६ इं० ऊपर रहता है। ओभर कोट के कमर में एक वेल्ट होता है। लेकिन चेस्टरफिल्ड में नहीं होता।

फिर भी कभी-कभी देखा जाता है कि चेष्टरफिल्ड के पीछे मे एक छोटा वेल्ट रहता है। इसका पीछा ठीक चेष्टर के पीछले भाग के हिसाब से काटा जाता है। इसमे कोई भेद नहीं है। यहा सिर्फ सामना भाग दिखलाया जाता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ५०, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२।

ऊपर से ४७ पीछा के लम्बाई के नाप के ऐसी रेखा बनाओ। इस रेखा से बाहर के ४ इं० दूर पर ४ रेखा उसके ठीक सीध मे खींचो।

ऊपर से ६ मोढा का रेखा ६½ इं० दूर पर।

ऊपर से १६ सेस्त का रेखा १६ इं० दूर पर।

ऊपर से ६ तक क, ख रेखा सीना के चौथाई भाग से १ इं० कम याने ८ इं० दूर पर। ६, १० रेखा के ऊपर का हिस्सा ठीक साधारण कोट के ऐसा बनेगा।

६ से १० सीना का आधा और ३½ इं० अधिक से पीछा के छाती का हिस्सा जितना कम है ठीक उतना ही रहेगा।

१६ से ८ कमर का आधा और ३½ इं० से पीछा का कमर बाद देकर जितना होगा।

४७ से १२ पीछा के दाहिना से दूना। त, थ, द, ध यह चारो बटन का जगह। ओभर कोट में डबल ब्रेस्ट होता है। ४ और १६ रेखा से बटन ६ इं० हटा कर रखना होगा।

बच्चों का कोट

इस कोट के काटने में साधारण मनुष्योंके कोट में जो फर्क

रहता है वह यहाँ पर दिखलाया जाता है। चित्रमे अच्छी तरह देख लेने पर कोई कठिनाई नहीं होगी।

नाप—सेस्त १४, लम्बा २४, पुट ६३/४, पु० अ० २६, सीना ३०, कमर २६।

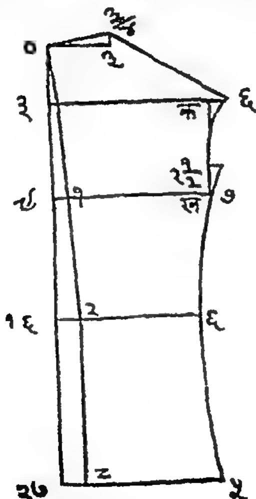
इसका पीछा पहले के बताए अनुसार साधारण कोट के ऐसा कटेगा। सामना भाग काटने के समय साधारण कोट जिस तरह किया जाता है उसके पहले ०, ८, ७ रेखा खींचोगे। उसके बाद उसी रेखा से १ इं० दूर पर भीतर में २, १३, १४ और २६ रेखा खींचोगे। साधारण कोट के समय पहली रेखा से दूसरी रेखा तक १३/४ इं० दूर पर खींचते हैं। साधारण कोट के आगेका सीना १३ और ४ मिलाकर पूरे सीने का आधा और २½ इं० अधिक। लेकिन इस कोट के समय होगा सीना का आधा और २ इ० अधिक, अर्थात् पहले के नाप से आधा इञ्च कम।

कमर का नाप भी ठीक उसी तरह। कमर का आधा और २ इं० अधिक। और बाकी सब साधारण कोट के ऐसा रहेगा। इसमें साधारणत ३ बटन रक्खा जाता है। छोटे उम्र वाले बच्चों के लिये प्राय सीना और कमर बराबर रहता है। इन सब कोटों मे टेकिन नहीं दिया जाता। इसका आस्तीन ठीक साधारण आस्तीन की तरह काटा जाता है।

पीछा

० से २७ लम्बा के नाप से १ इं० अधिक लेकर इस रेखा को खींचो। ० से ३ मोढा का ¼ नीचे। ० से ६ मोढा के समान

० से १६ सेस्त के नाप के समान। १६ से २ और २७ से ८ एक इंच दूर रख कर ०, १, २ और ८ चित्र के ऐसा जोड दो। ० से ३ सीना का १/१२। ३ से ३/४ आधा इं० ऊपर।



कोटका पीछा भाग चित्र नं० ४२

० और ३/४ जोड दो। ० से ६ पुटका नाप और आधा इंच

अधिक। ६ से क, आधा इं० भीतर में लेकर क, ख रेखा लम्बा कर खींचा।

ख से २३ डेढ इंच ऊपर। २३ से पाव इंच बाहर में ए दाग दो।

२ से ६ सीनका ¼ की दूरी पर। ८ से ५ होगा २ से ६ जितना है उससे १½ इंच अधिक। ५, ६, ७, और २३ ठीक चित्र के ऐसा जोड कर साधारण कोट के ऐसा मोड कर सिलाई का कपडा रख कर तब काटना होगा। तब पीछा भाग बन जायगा।

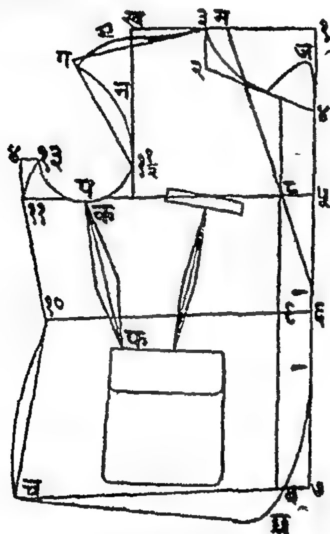
सामना (आगा)

१, ५ और ७ रेखा पीछा के लम्बाई के बराबर।

८ और ६ रेखा पहले रेखा से १ इंच भीतर मे। १ और ५ से ख और १½ रेखा सीना का चौथाई और आधा इंच अधिक दूर पर। ख से ३ और ग रेखा १ इंच नीचे। ३ से २ डेढ़ इञ्च नीचे। ३, ए और ग चित्र के ऐसा जोड दो। ५ से च पीछा के ८ और ५ का दूना। च से छ, १, एक इञ्च नीचे। चित्र के ऐसा मिला देने पर सामना बन जायगा। काटने के समय पहले साधारण कोट के ऐसा मोड कर तब काटना चाहिये।

बच्चोंका केप कालर कोट साधारण कोट के ऐसा बनेगा।

इस कोट में, जिस तरह साधारण कोट मे कम ढीला रहता है ठीक वैसा ही बनेगा।



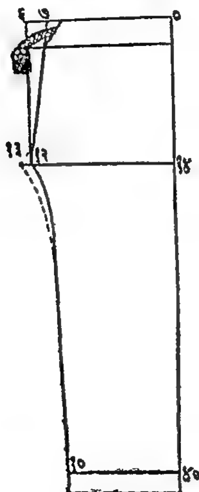
कोटके सामने भागका चित्र नं० ४३

पायजामा या ड्रासर

ढीला पायजामा और डासर एक ही नियम से काटा जाता है। पायजामा पैन्ट के ऐसा लम्बा रहता है। किन्तु डासर या

अन्डर ड्रासर घुटना तक लम्बा होता है। इसका घुटना ढीला रहता है। इसलिये डबल लम्बा और आधा गज कपड़ा अधिक लेना होगा

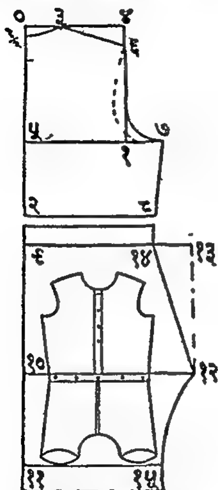
नाप—लम्बा ४२, पीछा ३६, कमर ३२, मोहरी २०।



पायजामा का चित्र न० ४४

० से ४० लम्बा के नाप से १ इं० अधिक। ० से १४ पीछा के नापका ⅓ और १ इंच अधिक। १३ से १४ पीछाका ⅓

० से ४ और ५ से १, पुट से ½ इंच अधिक। ४ से ६ एक इंच नीचे। ५ से ७ सीना के नाप का ¼ और १½ इं० अधिक।



इजार बाडीका चित्र नं० ४५

७ से ८ कमर का चौथाई और १½ इं० अब इसको चित्र के ऐसा जोड दो। गला ठीक कुर्ताके हिसाब से कटेगा। एक ही साथ सामना और पीछा भाग काटना होगा।

इजार

हम पहले लम्बाई के नाप को सेस्त तक बाडी में काटते आये हैं। अब नीचे का बाकी हिस्सा इजार कटेगा। लम्बा था २४ इं० जिसमे सेस्त का लम्बाई ११ इंच काट लिया है अब बाकी १३ इंच से इजार के लिये काटना होगा।

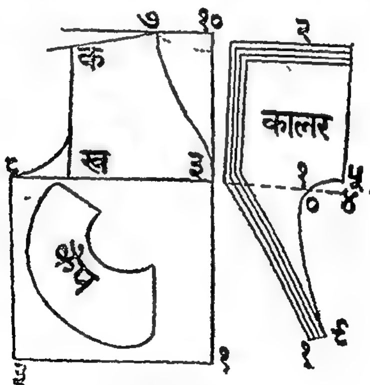
६ से ११, तेरह इंच और १ इंच अधिक १४ इं० हुआ। ६ से १० पीछा के नाप का ¾ इंच और १½ इं० अधिक, इसे हाई कहते हैं।

१० से १२ पीछा का ¾ और १½ इं० अधिक। १२ से १३, ६ रेखाके ऊपर लम्बा खींचो १३ से २ इंच भीतर में १४ रखकर १२ और १४ ठीक चित्र के ऐसा जोड दो। ११ से १५ मोहरीके नापका आधा और १ इंच अधिक। अब चित्र के ऐसा जोड देने पर इजार बन गया। जब बाडी के साथ इजार नहीं रहता उस समय इजार में चिन्ह लगानेके समय पायजामा के ऐसी अलग पट्टी सिलाई करके देना होगा। इसके नीचे मोडने के लिए १½ इं० परिमाण का वेशी कपडा ले लेना चाहिये। इसमे बटन प्राय नहीं होता है। यदि होता है तो सामने दो मुख खुला रखकर बटन और काज घर की पट्टी तैयार करके देना होगा।

शेलर शूट (Sailor Suit)

साधारण इजार बाडी से इस बाडी के काटने में फर्क मालूम पड़ता है। इजार ठीक एक ही है। लेकिन

काटा जायगा। केवल पेनिंग को जगह में अधिक कपडा रहता है और उसके साथ एक और कपडा लेकर उसमें देना होता है। इसके किनारे में फूल रहता है। उसमें एक कफ दिया जाता है, कफ के ऊपर सादा लम्बा फीता या टेप दिया जाता है। चित्र में जिस तरह दिया हुआ है उसी तरह टेप बैठाओ।



सेलर शूटका चित्र न० ४६

चित्र में देखने से सहज ही में समझ जाओगे। बाकी ठीक पहले ही के बाडी के ऐसा काट कर गला और मोढा का हिस्सा (जगह) खुला रहेगा। चित्र को अच्छी तरह से देखो। उसके बाद कालर का चित्र जिस तरह से बना हुआ है उसी तरह

बनेगा। कभी-कभी ऐसा कालर न होकर केप कालर भी दिखलाई पड़ता है उसी तरह बनेगा और उसमे सीधा टेप की ३ लाइन करके दिया जाता हैं।

कालरका १ से ० और गलाका ७ से ३ ठीक उसी तरह।

० से २ लम्बाई मोढाका दूना। क्योंकि कालरके तरफ पीछेसे लम्वा रहता है। ६ से ४ सीनाके नापका $\frac{1}{12}$ से आधा इं० कम। ५ से ४ एक इं० ऊपर रखकर ०, ६, ५ चित्र के ऐसा जोडकर इसी रेखासे आधा इं० अधिक कपडा लेकर काटना होगा। ताकि सिलाई होनेसे यह ठीक ०, ६ और ५ रेखाके बराबर हो जाय। कालर ठीक पुटके नापसे दुगुना चौडा रहेगा। काटने पर इसके नीचे एक और कपडा देकर सिलाई किया जाता है, नहीं तो यह ठीकसे बैठेगा नहीं। इस कपडाको सिलाई करके फीता लगाना होगा। फीता देकर गलाके साथ जोड देना होगा। जोडनेके समय ० ठीक ७ के ऊपर और ६ ठीक बाडीके ३$\frac{1}{2}$ ऊपर रखकर सिलाई किया जायगा। इसको भीतरमे जोडकर ऊपरमे लाना होगा। इसका आस्तीन ठीक फतुहाके आस्तीनके हिसाबसे कटेगा। इसका ७ से ६ दूरी तक खुला रहता है। यदि गलामे पहले कहे अनुसार लम्बा कालर न देकर केप लगाना हो तो उस समय इसका गला साधारण कुर्त्ताके हिसावसे कटेगा।

मेकिया फ्राक

हमलोगों के देश मे छोटे-छोटे बच्चे मेकिया फ्राक पहनते

हैं। यह फ्राक नाना प्रकारका होता है। लेकिन इसके काटनेका तरीका प्रायः एक ही तरहका होता है। अब हम जिस प्रकारके फ्राकके विषयमें लिखते हैं उसका आगा और पीछा एक ही कपड़ेका होता है। इसके आस्तीनमे जोड नहीं होता।

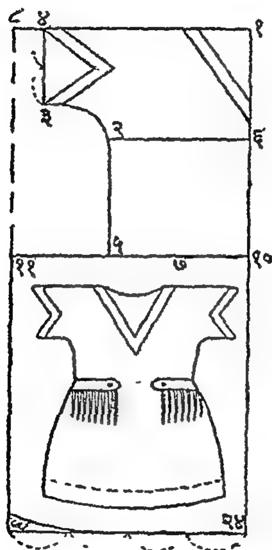
नाप—सेस्त १०, लम्बा २२, पुट ८½, पुट अ० १०, सीना २४, कमर २२, मोहरी १०।

पहले लम्बाईके नापसे दूना और ४ इं० अधिक लो। इसका चौडा होगा जितना सीनाका नाप है उसके बराबर। हमारा यही नाप हुआ लम्बा २२ इं०, कपडा होगा २२ का दूना ४४ इं० और ४ इं० अधिक ४८ इं० लेना होगा। इसका चौडा रहेगा सीनाका नाप २४ इं० के बराबर। अभी इस कपड़ेके चौड़ाईको आधा भांज करके लम्बा २४ इं के बराबर दो भांज करो। १, ८, २४, और ६ जो इसका भांज किया हुआ कपडा है, इसी तरह फ्राक काटा जाता है।

१ से २४ लम्बाई के नापसे २ इं० अधिक अर्थात् २४ इं। १ से ६ मोढा, सीनाके नापका ¼ अर्थात् ६ इं०। १ से १० सेस्तके नापके बराबर १० इं०।

१ से ४ पुट अ० का नाप १० इं० और १ इं० अधिक। ४ से ३ मोहरीके नापसे आधा और ½ इ० अधिक। ६ से २ सीनाका ¼ और १½ इं० अधिक।

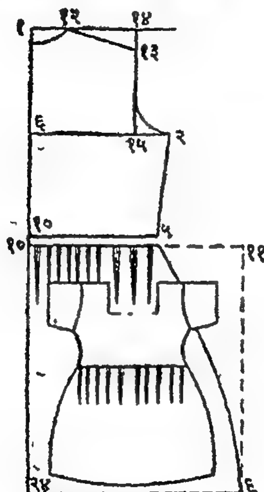
१० से ५ हुआ ६ से २ जितना दूर है उतना ही दूर।



कमरका कटा हुआ चित्र न० ४७

अब ४, ३, २ और ५ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ करके ए रेखा के ऊपर से काटना चाहिये। तब ११ से ७ तक काटते जाओ।

११ से ७ तक जितना कपड़ा है, उसको इस तरह रखना होगा कि ११ बिन्दु ५ पर पड़े और ऊपरका कपड़ा ७ से मिल



मेकिया फ्राकका चित्र न० ४८

जाय। उसके बाद दोनों बगलको सिलाई कर दो। सामना भागसे गला काट लो। इसका गला अंग्रेजी V(भी) अक्षरके ऐसा

होना चाहिये। कभी-कभी गोल और चौखुटा भी होता है। सामना गला सीनाके नापका ½ और १ इं० अधिकसे जितना होता है १ से उतना ही ठीक नीचेमें, सामना भाग खुला रहेगा। पहले इन सब फ्राकमें कालर रहता था, किन्तु अब कालर नहीं दिया जाता। इसी फ्राकको और दूसरे ढङ्गसे बना सकते हो। १० से ११ रेखा पूरा काटकर अलग करके नीचेमें चुनन देकर ऊपरका भाग कमरके भागके बराबर कर दो। बराबर करके जोड देने पर उसके ऊपरमें बैंड लगा दो। तब देखोगे यह दूसरे तरहका फ्राक हुआ। मेकिया फ्राक काटकर किस तरह सिलाई होता है, चित्रमें देखनेसे अच्छी तरह समझ जाओगे। इच्छानुसार इसके या आस्तीनको अलगभी काट सकते हो। जिस प्रकार फतुहा पर कुर्त्ता वगैरह में पुटके नापसे काटकर बनता है, ठीक उसी तरह काटकर अलग आस्तीन काट लो। घेराका शेष करके उसी तरह बना लेने पर यह ऊपरके ऐसा फ्राक हो जायगा।

अब दूसरी तरहके फ्राकका नियम देखो। यह तीन भाग करके काटा जाता है। पहले ६ और २ रेखाके ऊपर होकर काट दो। उसके बाद १० और ११ रेखाके ऊपर काट दो। अभी सीनाके नीचेका भाग ६, २ रेखा के ऊपर जोडकर उसके पीछे भागमें बदन पट्टीसे बराबर दूरी पर दो अलग प्लेट सिलाई करके दो। उसके बाद कमरके नीचेका हिस्सा जोड़कर उसके बाद कमरको घुमाकर १ बेल्ट लगाकर सिलाई करो।

तब देखोगे दूसरा ही फैशनका फ्राक तैयार हो गया। सभी तरह के फ्राक काटनेका तरीका एक ही है, लेकिन सिलाईके तरीका में फर्क है।

कितने फ्राकमें दामनके नीचे और आस्तीनमें कमलके फूल की तरह पंखुडी होती है। इसी तरह काटकर चित्र चिन्हके ऐसा जो यह चिन्ह बनाया हुआ है ठीक उसी तरह बनाओ। पहले नीचेके घेराके समान लम्बी और ३ इं० चौडी एक पट्टी लेकर कमलके पखुडी की तरह दाग देकर काट लो। इसके बाद यही पखुडी फ्राकके नीचाके घेराके ऊपर जोडकर मशीनसे या हाथ से सिलाई कर दो। इसके बाद घेराका कपडा ठीक सिलाई करके पखुडीके ऐसा भाँजकर फाटके पट्टीके भीतरमें देकर उल्टाकर तुरपाई सिलाई कर दो। आस्तीनमें भी इसी तरह करना होगा।

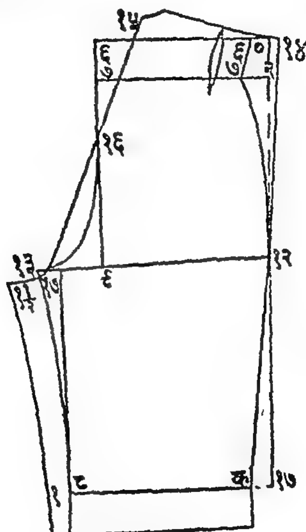
बच्चोंका हाफ पैंट

० से १७ लम्बाईके नापसे आधा इं० अधिक लेकर रेखा खींचो। ० से २, दो इ० नीचे। ० से १२ पीछाका $\frac{1}{3}$ भाग दूर पर। १२ से १३ पीछाके नापसे $\frac{1}{3}$ और १ इं० अधिक।

१३ से ६ भाग १२ से १३ जितना दूर है उसका $\frac{1}{4}$ भाग दूर पर। ६ से ७, ६ रेखा ऊपरमें ० रेखाके ऊपरसे लम्बा। ७ से ७ कमरका $\frac{1}{4}$ और आधा इं० अधिक। ६, से ६, ७ से ७ जितना दूर है उससे $\frac{1}{2}$ इ० अधिक।

१७ से क अधा इञ्च दूर पर। क से ८ घुटनाके नापका आधा। पैंटके ऐसा दाग देनेके बाद हाफपैंटका सामना भाग हो जायगा। इसका पीछा भाग ठीक साधारण पैंटके समान

बनेगा। सिलाई भी साधारण पैंटके ऐसी होगी। चित्र देखने से सब समझ में आ जायेगा। १३ और ८ रेखासे १½ इं० दूर पर १½ रक्खो



हाफपैंटका चित्र नं० ४९

८ से १ इं० दूर पर १ रक्खो और १½ और १ दोनो बिन्दु तक चित्रके ऐसा जोड दो। ६ से १½ इं० दूर पर १४ रखकर १४ और १२ चित्रके समान जोड दो।

१४ से १५ और ६ से ६ एक साथ सब मिलाकर कमरके नाप का ½ और १ इं० अधिक।

१४, १५ और १३ चित्रके ऐसा जोड़ देने पर हाफपैंटका पीछा हो जायगा। काटनेके समय पैण्टके ऐसा मोढकर सिलाई करनेके लिये कपडा लेकर काटना चाहिये।

बच्चोंका निकर (Knicker)

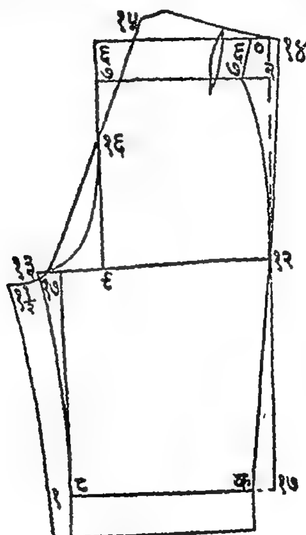
निकरका नाप हाफपैंटके नापसे ६, ७ इं० लम्बा अधिक रखा जाता है। क्योंकि इसमें ठीक घुटनाके नीचे बटन रहता है और उसके ऊपर कुछ ढोला रहता है, कारण ऐसा न होनेसे घुटना मोडा नहीं जायगा और सब नाप ठीक साधारण पैण्टके ऐसा होगा।

१ से ३० लम्बाईके नापके बराबर। १ से ० पीछाका ⅓। ० से ३ पीछाके नापका ⅓ और १ इं० अधिक। ३ से ४ हुआ, ० से ३ जितना है उसका ¼। इसके ऊपरका हिस्सा ठीक साधारण पैण्ट या हाफपैंटके ऐसा बनेगा। ० से १५ घुटनाका नाप।

०, ३० रेखासे १५ आधा इं० दूर पर। ३० से १३ दो इञ्च दूर पर। १३ से १२ मोहरीके नापका आधा और ३ इं० अधिक। ३, १४, १२, और ०, १५, १३ ठीक चित्रके ऐसा जोड लेने पर सामना भाग बन जायगा। इसका पीछा भाग भी ठीकपैंटके ऐसा।

३ से १७ डेढ इं०। १२ से १८ एक इं०। १७ और १२ चित्र के ऐसा जोड़ दो। ७ से २२ डेढ़ इं०। ० से १ इं० दूर पर दाग देकर १३ और २२ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो।

बनेगा। सिलाई भी साधारण पैंटके ऐसी होगी। चित्र देखने से सब समझ मे आ जायेगा। १३ और ८ रेखासे १½ इं० दूर पर १½ रक्खो



हाफपैंटका चित्र नं० ४९

८ से १ इं० दूर पर १ रक्खो और १½ और १ दोनो बिन्दु तक चित्रके ऐसा जोड दो। ६ से १½ इं० दूर पर १४ रखकर १४ और १२ चित्रके समान जोड दो।

१४ से १५ और ६ से ६ एक साथ सब मिलाकर कमरके नाप का ½ और १ इं० अधिक।

१४, १५ और १३ चित्रके ऐसा जोड देने पर हाफपैंटका पीछा हो जायगा। काटनेके समय पैण्टके ऐसा मोडकर सिलाई करनेके लिये कपडा लेकर काटना चाहिये।

बच्चोंका निकर (Knicker)

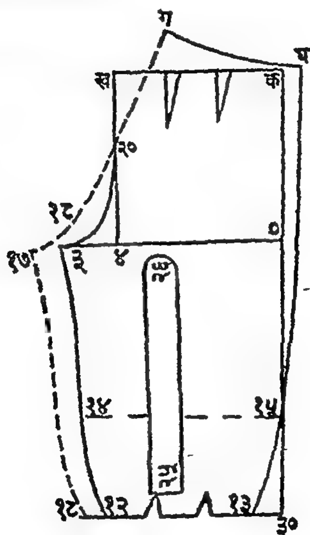
निकरका नाप हाफपैंटके नापसे ६, ७ इं० लम्बा अधिक रक्खा जाता है। क्योंकि इसमें ठीक घुटनाके नीचे बटन रहता है और उसके ऊपर कुछ ढीला रहता है, कारण ऐसा न होनेसे घुटना मोडा नहीं जायगा और सब नाप ठीक साधारण पैण्टके ऐसा होगा।

१ से ३० लम्बाईके नापके बराबर। १ से ० पीछाका ½। ० से ३ पीछाके नापका ¼ और १ इं० अधिक। ३ से ४ हुआ, ० से ३ जितना है उसका ⅙। इसके ऊपरका हिस्सा ठीक साधारण पैण्ट या हाफपैंटके ऐसा बनेगा। ० से १५ घुटनाका नाप।

०, ३० रेखासे १५ आधा इं० दूर पर। ३० से १३ दो इंच दूर पर। १३ से १२ मोहरीके नापका आधा और १ इं० अधिक। ३, १४, १२, और ०, १५, १३ ठीक चित्रके ऐसा जोड देने पर सामना भाग बन जायगा। इसका पीछा भाग भी ठीक पैंटके ऐसा।

३ से १७ डेढ़ इं०। १२ से १८ एक इं०। १७ और १२ चित्र के ऐसा जोड दो। ७ से २२ डेढ़ इं०। ० से १ इं० दूर पर दाग देकर १३ और २२ ठीक चित्रके ऐसा जोड दो।

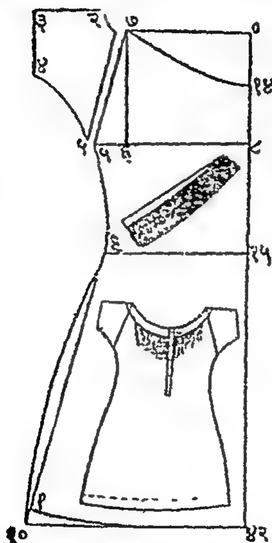
२२ से १० और ७, ५, एक साथ जोड कर कमरके नापका आधा और १ इं० अधिक लेकर २०, १८, १७ रेखा खींचो। यह ठीक पैंटके ऐसा। ऊपरका हिस्सा ठीक पैंटके ऐसा शेप कर दो, तब पीछा भाग हो जायगा।



नीकरका चित्र नं० ५०

२५ और २६ डेढ इं० चौडा और घुटनाके नापसे २.इं०

७, ५, ६ और १ ठीक चित्र के ऐसा जोड दो। ० से १४ सीनाका ⅙ भाग नीचे रखकर १४ और ७ चित्रके ऐसा जोड दो। तब गलाका गोलाई याने खुली जगह तैयार हो जायगी।



चांदगला सेमीज चित्र नं० ५१

आस्तीनका कपडा मोढाके नापसे चौड़ाईमें २ इं० ज्यादा

रखो। ७ से २, दो इञ्च ऊपर। २, ५, ३, ४ यही अस्तीन हुआ। पहले समीजका बगल (साइड) सिलाई करके तब आस्तीन जोड दो। इसके बाद १४ से ७ जितना है उसको बराबर करके कमीज का जैसा बैंड कालर होता है वैसा ही चार बैंड काट लो। यही चारों बैंडको २ सामनाके नीचे और ऊपर का २ पीछा भागके नीचे और ऊपर रखो। अभी देखो बाडीके गलामे बैंडसे ज्यादा जो कपडा है उस ज्यादा कपडाको बैंडके बराबरकरके चुनन देकर सी लो। डबल कफ कमीजके आस्तीनमें कफ जिस तरह चुनन देकर बैठाया जाता है उसी तरह यह भी बैठाया जाता है।

जिस तरह मेकिया फ्राक एक सलग कपडासे काटा जाता है सेमीज भी उसी तरह एक ही कपडासे कटेगा। उसमें ऐसा शेपका आस्तीन और गला नहीं होता। फतुहा काटनेका जो नियम बतलाया गया है उसी तरह पु० और पु० अ० इत्यादि का नाप लेकर दूसरी तरहका सेमीज काट सकते हो। जाकीट सेमीज उसी ढगसे काटना होगा देख लो।

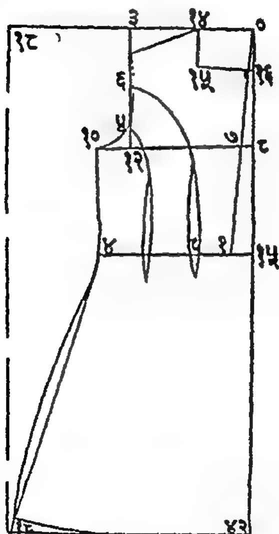
जाकीट सेमीज

इस सेमीजका पहले पीछा तब आगा काटना होगा। दूसरा कपडा जिस तरह सामना और पीछा एक साथ काटा जाता है इसमें वैसा नहीं होगा।

नाप—सेस्त १५, लम्बा ४०, पु० ७½, पु० अ० १५, सीना ३६, कमर ३०।

पीछा भाग

० से ४२, लम्बाका नापसे २ इञ्च अधिक। ० से ८, मोढा का नाप। पहलेके सेमीजके ऐसा।



जाकीट सेमीजका पीछा भाग चित्र नं० ५२

० से १५, सेस्तके नापके बराबर १५ इञ्च नीचे। १५ से इञ्च

भीतर से १ बैठाकर ० और १, एक सीधी रेखा चित्र के ऐसी जोड दो। ० से पुट के नाप से आधा इञ्च ज्यादा लेकर ८ इञ्च दूर पर ३ रक्खो। ३ से नीचे तक ३ और १२ रेखा खींचो। तीन से १ इञ्च नीचे एक दाग दो। ० से २ इञ्च दूर पर १६ और ३ इञ्च दूर पर १४ रक्खो। २ को चित्र के ऐसा जोड दो।

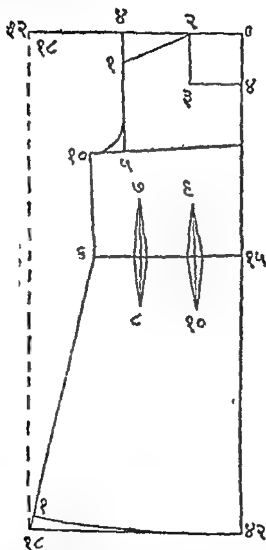
१४ से २ इंच नीचे मे १५ रखकर १४, १५, और १६ ठीक चित्र के ऐसा जोड दो। तब पीछा का चौखूटा गला हो जायगा। ७ से १०, सीना का ⅙ और २ इञ्च ज्यादा। २ और १० चित्र के ऐसा जोड दो। इसके बाद २ और १० जितना होता है उसका ⅓ करके ६ और ५ रक्खो। अभी ५ और ६ से ५, ६ और ६, ६ की तरह बना लो। इसी रेखा के ऊपर से टेढा करके सीना होगा ताकि १५ और ४ रेखा से २ इञ्च नीचे चली जाय। १० से ४ एक सीधी रेखा खींचकर ४ और १८ चित्र के एसा जोड दो।

पीछा को सीने के वक्त पहले ० से १ तक सिलाई कर दो इसके बाद ६, ८ और ५, ६ रेखा के ऊपर सीना होगा। इसके बाद सामना के साथ जोडना होगा।

सामना भाग

० से ४२ लम्बा के नाप से २ इञ्च अधिक। ० से ८ इञ्च नीचे मोढा का नाप जिस तरह पीछा मे है। ० से १५ सेस्त का नाप जिस तरह पीछा भाग मे है। ० से ४ और मोढा के चिन्ह से ५, पुट का नाप और ½ इञ्च अधिक। ० से २, तीन इञ्च दूर पर है। ० और २ से ४ और ३ चार इञ्च नीचे है। २, ३

और ४ ठीक चित्र के ऐसा जोड लेने पर सामना भाग मे चौडा (स्कायर) गला हो जायगा। ४ से १ इञ्च नीचे १ रखकर २ और १ रेखा जोड दो।



जाकेट सेमीजका सामना भाग चित्र न० ५३

८ से १० सीना का चौथाई और १½ इञ्च अधिक। १० से सीधी रेखा १० और ६ नीचे १५ और ६ रेखा के ऊपर खींचो।

१५ और ६ रेखा के समान तीन भाग करके बीच में दो भाग के ऊपर ७, ८ और ६, १० रेखा खींच कर कोट के ऐसा दो टेकिन लगाकर सिलाई करना होगा। ऐसा करने से कमर का सुन्दर शेप होगा। कुर्त्ताके ऐसा सेमीज काट लो। सिलाई करने के समय पहले पीछा भाग का टेकिन और शेप सिलाई करो। उसके बाद सामना भाग मे यही टेकिन २ सिलाई करके कुर्त्ताके ऐसा ४ से १५ तक सामना भाग खुला रख कर बटन या काज पट्टी लगाओ। उसके बाद सामना और पीछा भाग जोड दो। इसका बगल (साइड) पहले नहीं जोड कर पुट पहले जोड कर १½ इच चौडा कपडा काट कर गला मे पट्टी लगा लेने से आसान होगा। उसके बाद बगल और नीचे का पट्टी सिलाई कर दोगे। इसका आस्तीन ठीक कुर्त्ता के आस्तीन के ऐसा कटेगा। आस्तीन मोढा के नाप से १ इञ्च अधिक चौडा रखना होगा। यही १ इञ्च चौडा मोढा के साथ जोडने के समय ऊपर उठाकर मोढा के बराबर करके बैठाने से देखने मे सुन्दर लगता है। आस्तीन छोटा रहेगा और शेप भी साधारण रहेगा।

ब्लाउज

ब्लाउज, जाकीट और सलूका से अधिक ढीला रहता है। नाप एक ही नियम से लेना होगा।

नाप—सेस्त १४, पुट ७½, पु० अ० १६, सीना ३६ कमर ३०।

० से सेस्त का नाप १४ इञ्च से २ इञ्च अधिक लम्बा लेकर ० से १६ रेखा खींचो।

० से ६ मोढा, सीना का १/४, ६ इञ्च नीचे। ० और ६ से ८ हुआ और ८ रेखा पुट ७१/२ और १/२ इञ्च अधिक। ० से ३, सीना का १/१२ तीन इञ्च दूर पर। ० से दो २ इञ्च नीचे। ८ से १ इञ्च नीचे। ६ से १० सीना का १/४ भाग ६ इञ्च और १ इञ्च कुल १० इञ्च दूर पर। १६ से ७ और दस इञ्च दूर पर। चित्र के ऐसा जोड लेने पर पीछा हो जायगा। ठीक रेखा के ऊपर से होकर काटना होगा। आजकल ब्लाउज का पीछा भाग ठीक जाकीट के पीछा के ऐसा काटा जाता है। इससे पीछा ठीक फिट हो जायगा।

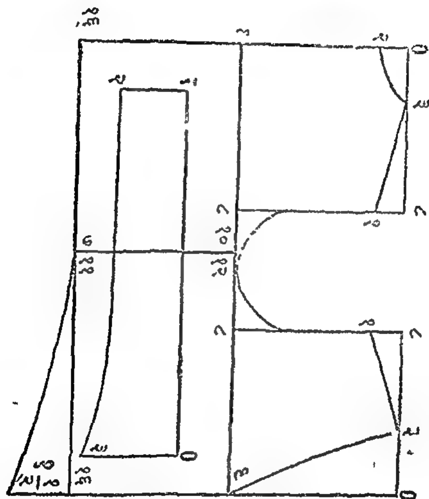
सामना भाग

० से सोलह, १६ इंञ्च वनाकर रेखा खींचो। ० से नौ, ६ इञ्च नीचे मोढा का दाग।

० और ६ से ८ और ८ रेखा पीछा के पुट के बराबर पुट ७१/२ और १/२ इञ्च अधिक। सब मिला कर ८ इञ्च दूर पर ८ से १ इञ्च नीचे।

० से ३ सीना का १/१२, ३ इंच। ६ से १२ और १६ से ११ सीना का १/४, ६ इञ्च और २ इञ्च कुल मिलाकर ११ इञ्च दूर पर, १६ से डेढ ११/२ इञ्च नीचे लेकर चित्र के ऐसा १६ और ११/२ को मिला कर बना लेने पर सामना भाग हो जायगा। ३ और ६ चित्र के ऐसा V (भी) की तरह गला तैयार होगा। स्कायर (चौडा) गला होने से जाकीट सेमीज के गला के हिसाब से काटना होगा। सामना और पीछा जोडकर नीचे एक पट्टी देना होगा। यही पट्टी लम्बा कमर के नाप से २ इञ्च बडा और चौड़ा पीछा मे २ इञ्च और सामना मे ३ इञ्च चौडा लेकर

चित्र में जैसा ड्राइंग किया हुआ है ठीक वैसा ही कटेगा। इस पट्टी की लम्बाई ठीक पीछा के बीच से जोड़ कर सामना भाग जितना बड़ा है उतना ऊपर पट्टी बराबर करके उसके साथ



ब्लाउजका पीछा भाग   सामना भाग चित्र नं० ५४

मिलाकर सिलाई करना होगा। एक सिया हुआ ब्लाउज देख लेने पर जो कहा गया है ठीक समझ में आ जायगा।

जाकिट

नाप—सेस्त १४, पुट ७½, पुट अ० १८, सीना ३६, कमर ३०।

पीछा

० से १६ सेस्त के नाप से १ इञ्च बडा करके रेखा खींचो।

० से २ सीना का ⅟₁₂ से १ इञ्च कम। ० से ८ मोढानाप, ८ इञ्च नीचे। १६ से १ इञ्च दूर पर १ रख कर ० और १ चित्र के ऐसा जोड दो। उसके बाद १ से १½ इञ्च नीचे १७½ तक दाग दो।

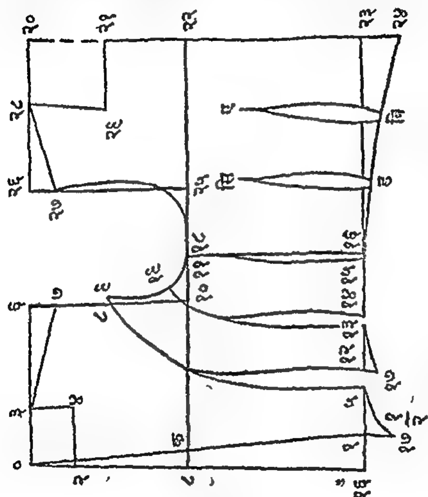
०से ३ सीना के ⅟₁₂ भाग दूर पर। ० से ७ जितना है २ से इतना ही दूर पर ४ रखकर २, ४ और ३ चित्र के ऐसा जोड दो। ० से ६ और ८ से १० पुट का नाप और ½ इञ्च अधिक दूर पर। ६ से १ इञ्च नीचे ७ रखकर ३ और ७ चित्र के ऐसा जोड दो। ७ और १० के बीच मे ८ रक्खो।

१ से २ इञ्च दूर पर ५ रखकर ८ और ५ ठीक चित्र के ऐसा आधा गोल रेखा जोड दो।

५ से १ इ च दूर पर १२ रखकर ६, १२ और १७ चित्र के ऐसा जोड दो। ६ विन्दू ८ से पाव इंच बाहर के तरफ। १२ से १७ आधा इं० नीचे।

६ और १८ के बीच मे १६ रखकर १६ और १३ चित्र के ऐसा जोड करके १७ और १३ जोड दो। १३ से १४ आधा इंच दूर पर। १४ से १५ साढे तीन इं० दूर पर। क से सीना का ⅙ दूर पर ११ रखकर १८ और १६ लम्बा खींचो।

१६ से आधा इं० दूर पर १५ रखकर ११ और १५ चित्रके ऐसा जोड दो। सिलाई करने के समय पहले ० से १७½ तक सिलाई कर दो। उससे बाद ८ और ५ रेखा काटकर ६ और



चित्र नं० ५५

१२ रेखा के ऊपर रखकर सिलाई कर दो। १६ और १३ रेखा के ऊपर से काट कर, इसको १६ और १४ रेखा के ऊपर रख कर सिलाई करना होगा। तब पीछा भाग सिलाई हो जायगा।

जाकिट

नाप—सेस्त १४, पुट ७½, पुट अ० १८, सीना ३६, कमर ३०।

पीछा

० से १६ सेस्त के नाप से १ इञ्च वडा करके रेखा खींचो।

० से २ सीना का १/१२ से १ इञ्च कम। ० से ८ मोढानाप, ८ इञ्च नीचे। १६ से १ इञ्च दूर पर १ रख कर ० और १ चित्र के ऐसा जोड दो। उसके वाद १ से १½ इञ्च नीचे १७½ तक दाग दो।

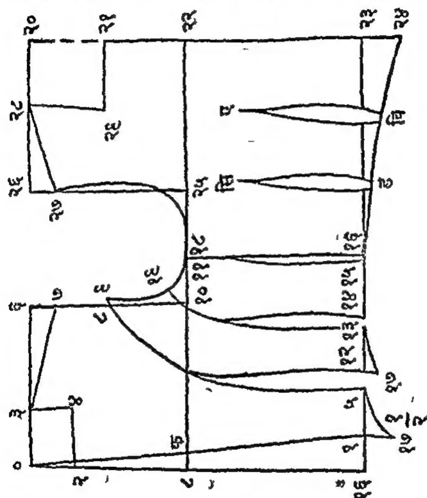
०से ३ सीना के १/१२ भाग दूर पर। ० से २ जितना है ३ से इतना ही दूर पर ४ रखकर २, ४ और ३ चित्र के ऐसा जोड दो। ० से ६ और ८ से १० पुट का नाप और ½ इञ्च अधिक दूर पर। ६ से १ इञ्च नीचे ७ रखकर ३ और ७ चित्र के ऐसा जोड दो। ७ और १० के वीच मे ८ रक्खो।

१ से २ इञ्च दूर पर ५ रखकर ८ और ५ ठीक चित्र के ऐसा आधा गोल रेखा जोड दो।

५ से १ इंच दूर पर १२ रखकर ९, १२ और १७ चित्र के ऐसा जोड दो। ९ बिन्दू ८ से पाव इंच वाहर के तरफ। १२ से १७ आधा इं० नीचे।

९ और १८ के वीच मे १९ रखकर १९ और १३ चित्र के ऐसा जोड करके १७ और १३ जोड दो। १३ से १४ आधा इंच दूर पर। १४ से १५ साढे तीन इं० दूर पर। क से सीना का ¼ दूर पर ११ रखकर १८ और १६ लम्बा खींचो।

१६ से आधा इं० दूर पर १५ रखकर ११ और १५ चित्रके ऐसा जोड दो। सिलाई करने के समय पहले ० से १७½ तक सिलाई कर दो। उससे बाद ८ और ५ रेखा काटकर ६ और



चित्र नं० ५५

१२ रेखा के ऊपर रखकर सिलाई कर दो। १६ और १३ रेखा के ऊपर से काट कर, इसको १६ और १४ रेखा के ऊपर रख कर सिलाई करना होगा। तब पीछा भाग सिलाई हो जायगा।

सामना

२०, २३ रेखा पीछा भाग के ०, १६ रेखा के बराबर करके खींचो। २० से २१ सीना का ¹⁄₁₀ और १ इं० नीचे। २० से २२ मोढा का नाप। २३ से २४ दो इं० नीचे। २० से २६ और २२ से २५ पुट और उससे आधा इं० अधिक। २६ से २७ एक इं० नीचे। २८ और २७ सीधी रेखा जोड दो। २२ से २६ और २० से २८ तीन इंच दूर पर। चित्र के ऐसा जोड दो। २२ से १८ सीना का ⅙ और १½। २७ और १८ चित्रके ऐसा जोड दो। १६ और २४ जोड दो। अब ए, बी और सी, डी चित्र की तरह दो टेकिन दो। इसके बीच मे १ इं० खुला रहेगा। सी और ए, २२ और १८ रेखा से २ इं० नीचे रहेगा। दो टेकिन ठीक बीच मे रख कर रेखा के ऊपर सिलाई करना होगा।

इसका आस्तीन ठीक ब्लाउज के ऐसा कटेगा। आजकल बहुत ब्लाउज का पीछा भाग इसी जाकिट के पीछा के तरह काटा जाता है।

❋ समाप्त ❋

जय हिन्द।

Money is lost nothing is lost,
Health is lost something is lost,
Carector is lost every thing is lost,